कोटद्वार,शनिवार
30 दिसम्बर 2023
वर्ष: 45
अंक: 238 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

उत्तराखंड में कोरोना को लेकर प्रशासन अलर्ट

◊सिविल अस्पताल में नए वेरिएंट से निपटने की तैयारी शुरु

देहरादून। कोरोना वायरस के नए वैरिएंट जेएन.1 को लेकर रुड़की सिविल अस्पताल पूर्व प्रबंधन में जुटा हुआ है। जिसके अंतर्गत अस्पताल में कोविड वार्ड व गहन संरक्षण इकाई (आईसीयू) तैयार किया जा रहा है। इसके अलावा चिकित्सकों को सक्रिय रहने के निर्देश भी दिये जा चुके हैं।

इस समय देश में कोविड 19 के नए रुप जेएन.1 के केस लगातार बढ़ रहे हैं। इसके दृष्टिगत रुड़की सिविल अस्पताल पूर्व प्रबंधन में सक्रियता से जुटा हुआ है। इसको लेकर अस्पताल ने एक 40 बेड का कोविड वार्ड व 11 बेड का आईसीयू तैयार किया जा रहा है। इसके अलावा अस्पताल में स्वच्छता मानकों के अनुपालन के निर्देश दिए जा चुके हैं।

बरतनी होगी सावधानी

चिकित्सा अधिकारी नीतीश कुमार ने बताया कि कोरोना के नए रुप जेएन.1 के बढ रहे मरीजों को देखते हुए शहर व गांव वासियों को सावधानी बरतनी होगी। कहा कि लोगों को भीड़–भाड़ वाले इलाकों में जाने से बचना चाहिए साथ ही कोरोना लक्षण दिखने पर तुरंत नजदीकी अस्पताल में जांच करवाये।

तैयारियों में जुटा है अस्पताल प्रशासन

रुड़की सिविल अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक संजय कंसल ने बताया कि कोविड 19 के नए वेरिएंट जेएन.1 के बढ़ रहे मामलों को देखते हुए अस्पताल प्रशासन तैयारियों में जुटा हुआ है। जल्द ही कोविड वार्ड व आईसीयू क्रियान्वयन में आ जाएगा। कहा कि स्वास्थ्य निदेशालय की ओर से जल्द ही कोविड जांच किटों की आपूर्ति की जाएगी।

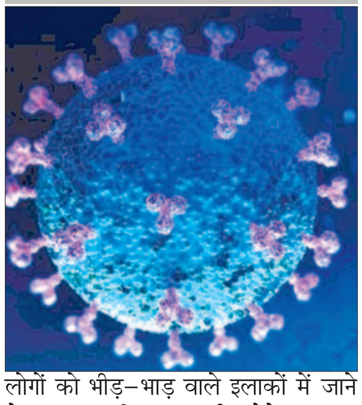

आयोग की परीक्षा के लिए दून को दो जोनों, एक सेक्टर में बांटा

देहरादून। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की रविवार को प्रस्तावित परीक्षा के लिए पुलिस ने देहरादून को दो जोनों और एक सेक्टर में बांटा है। सीसीटीवी कैमरों से परीक्षा केंद्रों और संदिग्धों पर नजर रखी जाएगी। देहरादून जिले में कुल 47 केंद्रों पर परीक्षा होनी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने बताया कि परीक्षा के लिए पुलिस की तैयारियां पूरी हैं। जनपद को सुपर जोन, जोन और सेक्टर में विभाजित किया गया है। सुपर जोन में अपर पुलिस अधीक्षक, जोन में क्षेत्राधिकारी, सेक्टर में थाना प्रभारी और सब सेक्टर में उप निरीक्षक रैंक के अधिकारी तैनात रहेंगे। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त पुलिस बल तैनात होगा। इसके अलावा प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं। चैकिंग के लिए फ्लांइग स्क्वाड भी नियुक्त किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि केंद्रों पर सभी अभ्यर्थियों की एचएचएमडी से गहनता जांच की जाएगी। परीक्षा केंद्रों पर जैमर और सीसीटीवी लगाए गए हैं। इलेक्ट्रानिक और संचार उपकरण जैसे मोबाइल, ब्लूटूथ डिवाइस, इयरफोन, घड़ी आदि परीक्षा केंद्र में ले जाना वर्जित होगा।

सीएम धामी ने ब्रज की पावन भूमि पर स्वयं के सम्मान को बताया देवभूमि की सवा करोड़ जनता का सम्मान

देहरादून। मुख्यंमत्री पुष्कर सिंह धामी के सम्मान में शुक्रवार को गुरू कृपा अतिथि गृह गोवर्धन मथुरा में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। ब्रज भूमि और ब्रज के लोगों का आभार वक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हे जो सम्मान मिला है यह सिर्फ उनका सम्मान नहीं है बल्कि ब्रज की भूमि पर यह सम्मान देवभूमि की सवा करोड़ जनता का सम्मान है। मुख्यंमत्री ने भगवान श्री कृष्ण, राधा रानी और ब्रज के सभी संतों को नमन करते हुए कहा कि मथुरा ह्लभक्ति आंदोलनह्व की विभिन्न धाराओं का संगम स्थल रहा है। आज इस भक्ति यज्ञ को भगवान श्री कृष्ण के आशीर्वाद से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ाया जा रहा है। यही नहीं प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में देश पहली बार गुलामी की मानसिकता से बाहर आया है। आज भगवान राम का भव्य और दिव्य मंदिर बन रहा है, जिसके साक्षी हम सभी 22 जनवरी को बनेंगे। इस दिशा में प्रधानमंत्री शनिवार को अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तथा भव्य रेलवे स्टेशन के साथ ही अन्य कई योजनाओं का लोकार्पण करने वाले हैं।

भगवान राम के जीवन की एक–एक घटना और उनका प्रत्येक निर्णय हमें एक आदर्श व्यक्ति बनाने के लिए काफी : सीएम धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में विनोद नगर वॉर्ड स्थित बद्रीनाथ मंदिर में श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान–यज्ञ आयोजन समिति द्वारा आयोजित श्रीराम कथा के 18वें धार्मिक महा–आयोजन में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने श्रीराम कथा सुनी। श्रीराम कथा का वाचन भगवताचार्य डॉ. गीता राम त्रिपाठी द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि आज उन्हें श्रीराम कथा का साक्षी बनने का सुअवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का पूरा जीवन एक दर्शन है। यदि हम उनका अनुसरण कर जीवन मार्ग पर कुछ कदम भी चल पाए तो इस जीवन को सार्थक बना लेंगे। पिता से बनवास पाया तो उन्होंने बताया कि एक पुत्र का धर्म क्या होना चाहिए। भरत को गले लगा कर उन्होंने बताया कि एक बड़े भाई का धर्म क्या होना चाहिए। केवट और सुग्रीव से मिले तो उन्होंने बताया कि एक मित्र का धर्म क्या होना चाहिए। जब रावण से आमना–सामना हुआ तो भी उन्होंने बताया कि शत्रुता के बावजूद हमें कैसे धर्म का पालन करना चाहिए। जब राम राजा बनें तो भी उन्होंने बताया कि एक राजा का धर्म क्या होना चाहिए। इसीलिए वो मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए और आज भी हम कोई चाह रखते हैं तो राम राज्य की चाह रखते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान राम के जीवन की एक–एक घटना और उनका प्रत्येक निर्णय हमें एक आदर्श व्यक्ति बनाने के लिए काफी हैं। राम शांति के भी स्वरूप हैं और शक्ति के भी। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए बड़े सौभाग्य की बात है कि हम सभी 22 जनवरी को उस घड़ी के साक्षी होने जा रहे हैं, जब रामलला अपने जन्मस्थान में विराजमान होंगे। भगवान राम के कृतित्व ने मुझे जीवन में सही राह चुनने में हमेशा सहायता की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड का मुख्य सेवक के रूप में वे धर्म के मार्ग पर चलकर जो भी फैसले लेते हैं, वे स्वयं ही समाजहित में सही हो जाते हैं। राज्य में समान नागरिक संहिता को लागू करने के लिए कदम उठाने, धर्मांतरण को रोकने, नकल रोकने, लैंड जिहाद रोकने, लव जिहाद रोकने के लिए जितने भी निर्णय लिए हैं, वे सब आज समाजहित में सही साबित हो रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

चेक का दुरूपयोग करने का आरोप, मुकदमा दर्ज

हरिद्वार। चेक का दुरुपयोग कर उसका इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए एक व्यक्ति ने बैंक प्रबंधक समेत दो लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी आदि धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। कोर्ट के आदेश पर दर्ज मुकदमे में कनखल पुलिस जांच कर रही है। कोर्ट को दिए प्रार्थना पत्र में अतुल शर्मा पुत्र सुभाष चंद्र शर्मा निवासी निरंजनी अखाडा जगजीतपुर ने बताया कि उसने एक चेक राम कुमार पुत्र जिले सिंह निवासी–22 शुभम विहार को दिया था। आरोप है कि रामकुमार ने उस चेक को भुगतान के लिए अपने बैंक खाते में लगाया था, जिसे बाउंस बताकर उसके खिलाफ कोर्ट में एनआई ऐक्ट के तहत मुकदमा दायर किया गया था।

बिजली का 1290 मीटर तार काटकर ले गए चोर

रुड़की। खानपुर क्षेत्र में बिजली की एलटी लाइन के तीन पोल पर लगा 1290 मीटर तार चोर काट ले गए। इससे कई गांवों की आपूर्ति ठप हो गई। क्षेत्रीय जेई ने थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। उधर, बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए विभाग वहां नया तार लगा रहा है। खानपुर के मौहम्मदपुर खादर व आसपास के मथाना, अब्दुल रहीमपुर, सिकंदरपुर, कर्णपुर, रोहालकी गांव को 11000 केवी की एलटी लाइन से बिजली दी जाती है। बुधवार रात में इन गांवों की बिजली ठप हो गई। अगले दिन दोपहर तक बअिजली नहीं आई, तो ग्रामीणों ने बिजलीघर से संपर्क किया। वहां से बताया गया कि लाइन चालू है, लेकिन रास्ते में कहीं फाल्ट होने के कारण फीडर जीरो लोड दिखा रहा है। इसके बाद लोगों ने क्षेत्रीय जेई को सूचना दी। जेई ने टीम के साथ पेट्रोलिंग की, तो पता चला कि मौहम्मदपुर खादर के पास एलटी लाइन के तीन पोल पर लगा कुल 1290 मीटर तार काटकर चोरी कर लिया गया है।

नगर निगम कर्मचारी के घर से उड़ाए जेवरात, हंगामा

हरिद्वार। रानीपुर क्षेत्र में वाटर वर्क्स कॉलोनी में नगर निगम कर्मचारी के घर से जेवर चोरी कर लिए गए।

क्षेत्र के ही रहने वाले एक व्यक्ति पर चोरी में शामिल होने का संदेह व्यक्त करते हुए पीड़ित पक्ष ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर उसके घर में घुसकर जमकर हंगामा काटा। स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों को शांत कर वापस भेजा। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पेयजल के निजीकरण के खिलाफ होगा सीएम आवास का घेराव

–जल संस्थान कर्मचारियों, पेंशनर्स ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

देहरादून। पेयजल सप्लाई सिस्टम निजी हाथों में देने के खिलाफ कर्मचारी संगठनों ने मोर्चा खोल दिया है। जल संस्थान के कर्मचारी, पेंशनर्स सीएम आवास का घेराव कर विरोध जताएंगे। सीएम आवास घेराव को पांच जनवरी को जल भवन में होने वाली आम सभा में रणनीति बनेगी। जल भवन में शुक्रवार को हुई बैठक में पेंशनर्स और कर्मचारी शामिल हुए। पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि पेयजल के निजीकरण को लेकर कर्मचारियों में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है। कर्मचारी, पेंशनर्स सरकार की तैयारी को समझ नहीं पा रहे हैं। एक ओर पेयजल के राजकीयकरण और एकीकरण की बात की जा रही है। वहीं दूसरी ओर पूरे पेयजल सिस्टम को ही निजी हाथों में सौंपा जा रहा है। इसकी शुरुआत भी हो गई है। पेयजल, सीवरेज योजनाओं को लेकर एडीबी के जो भी टेंडर हो रहे हैं, उसमें निर्माण के साथ 18 साल के लिए संचालन का भी जिम्मा दिया जा रहा है। संचालन तक निजी हाथों में देने से कर्मचारियों के साथ ही जनता का भी नुकसान होगा। इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में तय हुआ कि पेंशनर्स और कर्मचारी मिल कर सीएम आवास का घेराव करेंगे। सीएम आवास घेराव की तैयारियों को अंतिम रूप दिए जाने को पांच जनवरी को जल भवन में बैठक होगी। बैठक मे पूर्व महाप्रबंधक जीडी रतूड़ी, वीके सेठी, चंद्रपाल वर्मा, जगदीश तिवारी, दिलवर रावत, घनश्याम गुरुंग, कीर्ति नेगी, राकेश चावला, बलिराज यादव, टीपी मिश्रा, डालाराम, अजय बड़ोला, फतेह सिंह नेगी, सब्बल सिंह रावत, मदनलाल जोशी मौजूद रहे।

क्षैतिज आरक्षण बहाल न होने पर महिला आंदोलनकारी ने दी आत्मदाह की चेतावनी

देहरादून। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी सयुंक्त मंच के तत्वावधान में राज्य आंदोलनकारियों को राजकीय सेवाओं में 10% क्षैतिज आरक्षण बहाल करने व चिन्हीकरण की प्रक्रिया पूर्ण करने की मांग को लेकर राज्य आंदोलनकारियों का आंदोलन चौथे दिन भी जारी रहा। वहीं क्षैतिज आरक्षण पर सरकार के ढुलमुल रवैये पर नाराज महिला आंदोलनकारी सुनीता ठाकुर ने सरकार को एक जनवरी को आत्मदाह की चेतावनी दी है। शुक्रवार को आंदोलन को समर्थन देने के लिए पूर्व मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता हीरा सिंह बिष्ट पहुंचे। हीरा सिंह बिष्ट ने कहा कि मुख्यमंत्री को विज्ञापनबाजी नहीं बल्कि गम्भीरता से काम करना चाहिए और तत्काल सदन का विशेष सत्र आहूत करना चाहिए। राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी के शिव प्रसाद सेमवाल ने कहा कि आंदोलनकारियों की आवाज पर उनकी पार्टी रात के बारह बजे भी खड़ी मिलेगी। उनके हर संघर्ष में पार्टी साथ है। संयुक्त मंच संयोजक क्रांति कुकरेती ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकारी झूठ से क्षुब्ध होकर हमारी एक आंदोलनकारी साथी को आत्मदाह की चेतावनी देनी पड़ रही है। प्रदेश भर के आंदोलनकारियों से आग्रह है कि 31 दिसम्बर (रविवार) को अपने जिला अथवा तहसील मुख्यालय में एकत्र होकर शंखनाद ,घण्टे घड़ियाल बजाकर सरकार को जगाने के लिए एकजुट हो जाये।

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का ढांचा तय

देहरादून। राज्य में प्रस्तावित एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स में दो इंस्पेक्टर अलावा 35 अन्य पद होंगे। अपर मुख्य सचिव ने विभाग को जल्द ढांचा कैबिनेट में प्रस्तुत करने को कहा है।शुक्रवार को सचिवालय में गृह विभाग की समीक्षा बैठक में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने नशीले पदार्थों के तस्करों से कड़ाई से निपटने के लिए एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के गठन की कार्यवाई तेजी से करने के निर्देश दिए।

उन्होंने पुलिस अधिकारियों को इस सम्बन्ध में हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश के मॉडल का अध्ययन करने को कहा। कहा कि प्रस्तावित टास्क फोर्स अंतरराज्यीय व अंतरराष्ट्रीय गिरोहों का पर्दाफाश करने के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) व नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) का भी सहयोग लेगी। बैठक में इस फोर्स के लिए दोनों मंडलों में एक–एक ड्रग्स इंस्पेक्टर के साथ ही 35 अन्य कार्मिकों का ढांचा तय करने का निर्णय लिया गया। राधा रतूड़ी ने उत्तराखंड में सार्वजनिक प्रतिष्ठानों, बैंकों, हैलीपैड, हैलीपोर्ट, औद्योगिक आस्थानों की सुरक्षा के लिए गठित किए जाने वाले राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल (एसआईएसएफ) की कार्यवाही भी तेज करने को कहा।

डीएम अध्यक्षता में हुई प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम–जनमन) के सम्बन्ध में बैठक

हरिद्वार। जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलक्ट्रेट में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम–जनमन) के सम्बन्ध में एक बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी को बैठक में पीडी श्री के0एन0 तिवारी एवं समाज कल्याण अधिकारी टी0आर0 मलेठा ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम–जनमन) के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी देते हुये बताया कि पीएम–जनमन योजना के अन्तर्गत विकासखण्ड बहादराबाद की तीन ग्राम पंचायतों–गैंडीखाता, लालढांग, रसूलपुर मीठीबेरी में प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत आवास विहीन परिवारों का जियो टैग के माध्यम से सर्वे किया गया, जिनमें से 401 परिवारों को चिह्नित करते हुये 225 परिवारों का सर्वे पूर्ण कर लिया गया है। बैठक में जिलाधिकारी ने पात्र लाभार्थियों को सरकार की इस योजना से मिलने वाली सुविधा के बारे में जानकारी ली तो अधिकारियों ने बताया कि पीएम–जनमन योजना के अन्तर्गत प्रति आवास दो लाख

रूपये एवं कन्वर्जेंस के माध्यम से शौचालय निर्माण हेतु मनरेगा/एसबीएम से 12000 रूपये की धनराशि तथा 95 दिवस का अकुशल श्रमांश–लगभग 27 हजार रूपये मनरेगा से देने का प्राविधान है। जिलाधिकारी द्वारा बैठक में ऐसे क्षेत्रों में विद्युत संयोजन के सम्बन्ध में जानकारी ली तो विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सर्वे में यह तथ्य सामने आया था कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के अन्तर्गत नौ तोकों के सर्वे में 57 परिवार विद्युत सुविधा विहीन पाये गये थे, जिनमें 55 परिवारों में विद्युत संयोजन निर्गत कर दिया गया है तथा शेष दो परिवारों में भी आगामी 31 दिसम्बर,23 तक विद्युत संयोजन निर्गत कर दिया जायेगा। बैठक में जिलाधिकारी ने ऐसे क्षेत्रों में हर घर नल से जल उपलब्ध कराये जाने तथा वोकेशनल शिक्षा से ऐसे क्षेत्रों को आच्छादित किये जाने के सम्बन्ध में भी अधिकारियों को दिशा–निर्देश दिये। डीएम द्वारा पीएम–जनमन योजना के अन्तर्गत चयनित ग्रामों में आंगनबाड़ी भवनों के सम्बन्ध में जानकारी ली तो अधिकारियों ने बताया किबुक्सा एवं राजी जनजाति के विकास हेतु गैंडीखाता, कटेबड़, जसपुर चमरिया (मालूखाता), रसूलपुर, मंगोलपुरा में आंगनबाड़ी केन्द्र हेतु भूमि उपलब्ध है, जिनमें आंगनबाड़ी भवन निर्माण की कार्यवाही गतिमान है।

जिलाधिकारी द्वारा इस सम्बन्ध में जन–जागरूकता अभियान चलाये जाने के सम्बन्ध में जानकारी ली तो अधिकारियों ने बताया कि 30 दिसम्बर,2023 से इन क्षेत्रों में आईईसी की गतिविधियां संचालित करने के सम्बन्ध में रोस्टर तैयार कर लिया गया है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम–जनमन) के अन्तर्गत सभी विभाग अपने–अपने प्रस्ताव यथाशीघ्र उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

दिव्यांग व स्कूली बच्चों को बांटे कंबल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : वरिष्ठ नागरिक संगठन के सदस्य रमेश द्विवेदी की ओर से अपनी पिता की पुण्य स्मृति में दिव्यांग जनों के साथ ही स्कूली बच्चों को कंबल वितरित किए गए। इस दौरान अन्य सामाजिक संस्थाओं से भी दिव्यांग व गरीब परिवारों की मदद के लिए आगे आने की अपील की गई। शुक्रवार को निंबूचौड़ में कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रमेश द्विवेदी ने अपनी पिता स्व. पीडी द्विवेदी की पुण्य स्मृति में तीस दिव्यांग व स्कूली बच्चों को कंबल बांटे। वरिष्ठ नागरिक संगठन के अध्यक्ष पीएल खंतवाल ने कहा कि समाज में रहने वाले दिव्यांग व गरीब परिवारों की मदद के लिए हमें गंभीरता से कार्य करना चाहिए। मुख्य वक्ता सत्यप्रकाश थपलियाल ने कहा कि आज के भौतिक चकाचौंध में मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची पूजा है। इस मौके पर संगठन के महासचिव रिपुदमन सिंह बिष्ट, कोषाध्यक्ष महेंद्र कुमार अग्रवाल, राजेंद्र सिंह बिष्ट, विनोद नेगी, जयवीर सिंह रावत, श्रीकांत ममगाई, जनार्दन ध्यानी, प्रवेश नवानी, केशर सिंह असवाल, सुरेंद्र लाल आर्य, धीरज घर बछुवाण, राजेंद्र प्रसाद, संदीप अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

शहीद के बलिदान को किया याद

कोटद्वार : श्री वैश्य अग्रवाल सभा की ओर से बलिदानी गौतम कुमार के योगदान को याद किया गया। आयोजित सभा में वक्ताओं ने कहा कि कुछ दिन पूर्व हुए आतंकी हमले में कोटद्वार निवासी गौतम कुमार शहीद हो गए थे। देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले बलिदानी का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। बैठक में सभा के महामंत्री नरेंद्र कुमार अग्रवाल, अजीत अग्रवाल, अमिताभ अग्रवाल, शिव कुमार, धनेश अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, संजय मित्तल आदि मौजूद रहे।

चयन प्रक्रिया 31 को

कोटद्वार : तीरंदाजी खेल खेलो इंडिया सेंटर प्रशिक्षण के लिए खिलाड़ियों का चयन 31 दिसंबर से प्रारंभ होगा। जानकारी देते हुए सहायक प्रशिक्षक संदीप कुमार डुकलान ने बताया कि प्रशिक्षण में पचास प्रतिशत बालक व पचास प्रतिशत बालिकाओं का चयन किया जाएगा। चयनित खिलाड़ियों को खेलो इंडिया द्वारा प्रतिवर्ष खेल किट भी उपलब्ध करवाई जाएगी। यह प्रक्रिया स्टेडियम कोटद्वार में होगी। इच्छुक खिलाड़ियों को अपना आधार कार्ड, जन्म तिथि प्रमाण पत्र व दो पासपोर्ट साइज फोटो लानी होगी।

रकम वापस दिलवाने के लिए पीड़ितों ने किया उपवास

केंद्र व प्रदेश सरकार से की डूबी हुई रकम वापस दिलवाने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लाख प्रयास करने के बाद भी डूबी रकम वापस नहीं मिलने से परेशान ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवारों ने तहसील में एक दिवसीय उपवास रखा। पीड़ितों ने केंद्र व प्रदेश सरकार से जल्द ही डूबी रकम वापस दिलवाने की मांग उठाई। कहा कि अनियमित जमा योजनाएं पाबंदी कानून (बड्स एक्ट)-2019 लागू होने के बाद अधिकारी लापरवाह बने हुए हैं।

शुक्रवार को ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार के सदस्यों ने तहसील परिसर में एक दिवसीय उपवास रखा। इसके उपरांत उन्होंने उपजिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा। कहा कि भारत सरकार एवं राज्य सरकार ने देश के प्रत्येक ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार की ठग कंपनियों और सोसाइटियों में डूब चुकी रकम को 180 दिनों के भीतर वापस दिलाने के लिए बड्स एक्ट 2019 लागू किया है। इसके तहत जिलाधिकारियों को भुगतान अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। कहा कि पौड़ी जिले में सक्षम और सहायक सक्षम अधिकारी उक्त कानून का ना ही पालन कर रहे हैं और कानून लागू होने के बाद भी ठगी पीड़ितों के आवेदन भी नहीं ले रहे हैं। कहा कि कानून लागू होने के कई वर्ष बाद भी पीड़ितों का भुगतान न होने से पीड़ितों में रोष व्याप्त है। ऐसे में केंद्र सरकार को पीड़ितों की धनराशि वापस दिलवाने के लिए गंभीरता से कार्य करना चाहिए। इस मौके पर गजेंद्र सिंह रावत, विजय लक्ष्मी, रानी आर्य, राजेंद्र कुमार, धर्मेंद्र, नरेंद्र, रीता रावत, प्रेम लाल आदि मौजूद रहे।

डूबी रकम वापस दिलाने की मांग को लेकर कोटद्वार तहसील में उपवास पर बैठे पीड़ित

कार्यशाला में द्रुत एप के बारे में दी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में नागरिक सुरक्षा एवं होमगार्ड विभाग की ओर से लागू की गई "द्रुत एप " की जानकारी दी गई। यह कार्यशाला महाविद्यालय की महिला उत्पीड़न निवारण समिति की ओर से आयोजित की गई।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता जिला कमांडेंट होमगार्ड निर्मल जोशी ने बताया कि आपके परिवार के लिए, आपके रिश्तेदारों के लिए, आपके पास-पड़ोस या फिर सामान्य जनमानस की मदद के लिए 'डायल-112' और '108 एम्बुलेंस सेवा' से भी तेज गति से कार्य करने वाला यह एप एक बेहतर माध्यम है। यह एप आपको वर्तमान और भविष्य में होने वाली घटनाओं व दुर्घटनाओं से राहत एवं बचाव का कार्य करेगा।

उन्होंने 'द्रुत एप' को इंस्टॉल करने हेतु आवश्यक लिंक उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं महाविद्यालय स्टाफ के साथ साझा किया। साथ ही इसकी प्रयोग विधि के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर जानकी पंवार ने द्रुत ऐप के महत्व को बताते हुए इस एप को अपने मोबाइल एवं अपने परिवारजन, सगे-संबंधी व परिचितों से जरूर इंस्टॉल करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर प्लाटून कमांडर विनोद नौटियाल, नरेश सिंह प्लाटून कोटद्वार, राजकमल सिंह होमगार्ड प्लाटून द्वारीखाल, बृजमोहन सिंह होमगार्ड प्लाटून कोटद्वार, प्रीतम सिंह होमगार्ड प्लाटून द्वारीखाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यशाला में महिला उत्पीड़न निवारण समिति की संयोजक प्रोफेसर आशा देवी, डॉ. जुनीष कुमार, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. संतोष कुमार गुप्ता, डॉ. भगवत सिंह रावत, डॉ. शोभा रावत, डॉ. प्रियंका अग्रवाल, डॉ. संदीप अग्रवाल, डॉ. वंदना चौहान, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. विमल त्यागी, डॉ. श्रद्धा सिंह, डॉ. प्रियम अग्रवाल, डॉ. सुमन कुकरेती, डॉ. संत कुमार, डॉ. अमित गौड़, अर्चना भंडारी, सुभाष चंद्र, रोशन लाल, कमलेश, हिमराज सिंह, सत्यपाल सिंह, गौरव, नीरज रावत आदि कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। संचालन डॉ. रोशनी असवाल द्वारा किया गया।

महाविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में जानकारी देते विशेषज्ञ

उपनल व आउसोर्स कर्मियों की सेवा बहाली की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : दैनिक संविदा, आउटसोर्स कर्मचारी संघ वन विभाग उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष चंद्र प्रकाश ने प्रमुख वन संरक्षक देहरादून को पत्र भेजकर उपनल व आउटसोर्स कार्मिकों की सेवा बहाली की मांग की है। उन्होंने पत्र में कहा कि वन विभाग की ओर से विभिन्न वन प्रभागों में 2018 के बाद विभाग में उपनल के माध्यम से लगे कर्मचारियों को सेवा से पृथक करने की प्रक्रिया अमल में लाई जा रही है। कहा कि सभी उपनल और आउटसोर्स कर्मचारी विगत 5 से 15 वर्षों की लंबी अवधि से निष्ठापूर्वक अपनी सेवाएं देते आ रहे हैं। उनकी सेवाएं समाप्त होने से उनके व उनके परिवारों के समक्ष आर्थिक संकट खड़ा हो जाएगा। पत्र में उन्होंने इन कर्मचारियों व इनके परिवारों को आर्थिक संरक्षण प्रदान करने का आग्रह किया है। साथ ही विभाग से वर्तमान में समस्त उपनल कर्मचारियों की यथास्थिति बनाते हुए पद सृजित करवाने के लिए शासन से आवश्यक पत्राचार करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस संबंध में जल्द ही कोई फैसला नहीं लिया गया तो कर्मचारियों के हित में संघ प्रदेशव्यापी आंदोलन छेड़ने को बाध्य होगा।

वार्षिकोत्सव में दिखी सांस्कृतिक छटा, प्रणिता रही अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लोक कलाकार सोसाइटी का वार्षिकोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। कलाकारों की रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान एकल नृत्य प्रतियोगिता में प्रणिता प्रथम रही। अतिथियों ने अव्वल कलाकारों को सम्मानित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ लैंसडौन विधायक दलीप रावत, सिद्धबली मंदिर समिति के अध्यक्ष डा. जगदंबा प्रसाद ध्यानी, सोसाइटी के अध्यक्ष ओमप्रकाश कबटियाल, महासचिव हरीश चंद्र ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके उपरांत महिलाओं व बच्चों ने गढ़वाली, कुमाऊंनी व जौनसारी गीतों पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। वक्ताओं ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से कलाकारों को आगे बढ़ने का मौका मिलता है। इस दौरान एकल नृत्य प्रतियोगिता में प्रणिता, मीनाक्षी व नितिन, ग्रुप डांस में अभिषेक, शीला व ललिता प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहे। प्रतियोगिता के अव्वल कलाकारों को सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर सरोजनी रावत, प्रकाश गढ़वाली, वीरेंद्र भंडारी, मीरा नेगी, यशोदा राणा, शकुंतला बुड़ाकोटी, संगीता गढ़वाल, संदीप वर्मा, बबीता कुकरेती आदि मौजूद रहे। संचालन ओमप्रकाश कबटियाल ने किया।

सोसाइटी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में प्रथम स्थान पाने वाले कलाकारों को सम्मानित करते अतिथि

रोटरी क्लब ने दिव्यांगों को दी व्हील चेयर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : रोटरी क्लब की ओर से व्हील चेयर वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चार दिव्यांग बच्चों को व्हील चेयर वितरित की गई।

नजीबाबाद रोड स्थित रोटरी भवन में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ रोटरी अध्यक्ष कुलदीप अग्रवाल ने किया। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों की सेवा करने से आत्म सन्तुष्टि मिलती है। इस तरह के सामाजिक कार्यों के लिए रोटरी क्लब हमेशा तैयार रहता है। इस दौरान अनीत चावला, गुरुबचन सिंह, कुलदीप अग्रवाल, अमित अग्रवाल, गोपाल बंसल और ऋषि ऐरन मौजूद थे।

शिविर में स्काउट एवं गाइड के बारे में दी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भारत स्काउट गाइड संस्था की ओर से पौड़ी जनपद के स्काउट और गाइड को सात-दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। शिक्षकों से बच्चों को स्काउट व गाइड से जुड़ने के लिए प्रेरित करने की अपील की गई। कहा कि स्काउट एवं गाइड बेहतर जीवन जीने के साथ ही दूसरों की मदद की सीख देता है।

रितेश शर्मा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 35 शिक्षक व शिक्षिकाओं ने भाग लिया।

प्रतिभागियों को विद्यालय स्तर पर स्काउट-गाइड पंजीकरण, स्काउट-गाइड को विभिन्न सोपनों में प्रतिभाग करना, दक्षता पदक तैयार कराना, ध्वज शिष्टाचार कैंप क्रफ्ट, प्राथमिक चिकित्सा, सामुदायिक सेवा आदि विषयों की विस्तार से जानकारी दी गई।

राज्य संगठन आयुक्त वीरेंद्र बिष्ट व जिला संगठन आयुक्त रूपचंद्र लखेड़ा ने कहा कि स्काउट एवं गाइड आंदोलन वर्ष 1908 में ब्रिटेन में सर बेडेन पावेल ने आरंभ किया गया था। यह पर्यावरण संरक्षण, आपदा के समय योगदान आदि महत्वपूर्ण कार्यों में सहयोग करने वाली स्वयं सेवी संस्था है।

भारत में सात नवंबर 1950 को स्काउटिंग की शुरुआत की गई। शिविर में प्रधानाचार्य मनोज कुकरेती को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर जिला आयुक्त मदन मोहन जोशी, शांति रतूड़ी, जिला सचिव केसर सिंह असवाल, जिला संगठन आयुक्त गाइड शकुंतला बुड़ाकोटी आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार में आयोजित स्काउट एवं गाइड शिविर में प्रधानाचार्य मनोज कुकरेती को सम्मानित करते सदस्य

जागर नृत्य और चौफला की प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोहा

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : एकेश्वर के शिव मंदिर में आयोजित दगड्या महोत्सव में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जागर नृत्य, चौफला, थाड्या आदि लोक नृत्य एवं लोक गीतों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

महोत्सव में गुराड़, मलेथा, कुण्डली, मल्ली जैंतोली, पताल, बडोली आदि ग्राम सभाओं की महिला मंगलदलों व युवक मंगल दल ने अपनी शानदार प्रस्तुतियां दीं। वहीं राजकीय इंटर कालेज एकेश्वर, बालिका इंटर कालेज एकेश्वर सहित श्रीकोटखाल, सिमारखाल, गुरुराम राय एकेश्वर ने नाटक, एकांकी और देश भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ ब्लाक प्रमुख एकेश्वर नीरज पांथरी, जिला पंचायत सदस्य आरती नेगी द्वारा किया गया। दगड्या ग्रुप के संयोजक आशीष नेगी ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से नव पीढ़ी लोक संस्कृति एवं लोक परंपराओं से परिचित होती है।। इस अवसर पर सुनील रावत, गिरिराज हिंदवान, नरेंद्र नेगी, स्वरूप धस्माना मौजूद रहे।

विभागीय अधिकारियों ने सचिव को गिनवाई समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार पहुंचे पशुपालन विभाग के सचिव डा. बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने विभागीय अधिकारियों से योजनाओं के क्रियान्वय में आ रही समस्याओं की जानकारी ली। सचिव ने अधिकारियों को जल्द ही समस्याओं के निराकरण का भी आश्वासन दिया। कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य आमजन तक सरकारी योजनाओं को पहुंचाना है।

शुक्रवार को बदरीनाथ मार्ग स्थित प्रेक्षागृह में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विभागों से पहुंचे अधिकारी व कर्मचारियों ने सचिव डा. बीवीआरसी पुरुषोत्तम को सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्या से अवगत करवाया। पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों के लिए बनाई गई योजनाओं का लाभ कोटद्वार के काश्तकारों को नहीं मिल पा रहा है। जबकि, अधिकांश परिवार आज भी पशुपालन व खेती से जुड़े हुए हैं। ऐसे में इन परिवारों को भी गांव के लिए बनी योजनाओं का लाभ मिले इसके लिए गंभीरता से कार्य किया जाना चाहिए। सहकारिता विभाग ने क्षेत्र में बंद पड़े स्कूल भवनों को भंडारण के लिए देने की मांग उठाई। समाज कल्याण विभाग ने आय प्रमाण पत्र की समस्या से सचिव को अवगत करवाया। कहा कि प्रमाण पत्र में आय की सीमा बढ़ाई जानी चाहिए। जिससे प्रत्येक व्यक्ति को इसका बेहतर लाभ मिल सकें। डेरी विकास विभाग ने मार्केट विपणन के लिए बजट उपलब्ध करवाने की बात कही। लोक निर्माण विभाग ने लक्ष्मण झूला-धुमाकोट मार्ग मरम्मत के लिए बजट उपलब्ध करवाने व राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग ने पूर्व में हुए कार्यों का बजट देने की मांग की। जल संस्थान के अधिशासी अभियंता अभिषेक वर्मा ने कहा कि आपदा के दौरान खोह नदी पर बना ट्यूबवैल बह गया था। जिसे दोबारा बनाने के लिए अधिक बजट खर्च हो रहा है। ऐसे में ट्यूबवेल बनाने के लिए विशेष बजट उपलब्ध करवाया जाना चाहिए। इस मौके पर उपजिलाधिकारी सोहन सैनी, नगर आयुक्त वैभव गुप्ता, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. प्रवीण कुमार आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार में सरकारी विभागों के आधिकारी व कर्मचारियों से समस्या सुनते सचिव डा. बीवीआरसी पुरुषोत्तम

अफसर लोकसभा निर्वाचन हेतु गंभीरता से कार्य करें

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन को लेकर जिला निवचन अधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने कलेक्ट्रेट सभागार में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। उन्होंने उप निर्वाचन अधिकारी को बीएलओ के माध्यम से आगामी लोकसभा निर्वाचन हेतु गंभीरता से कार्य करवाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि जनपद में शत प्रतिशत मतदान हो इसके लिए भी उच्च स्तर पर कार्य करना सुनिश्चित करें।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि 1 जनवरी, 2024 की अर्हता तिथि के आधार पर विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2024 के अंतर्गत दावे आपत्तियों का निस्तारण की अंतिम प्रकाशन तिथि बढ़ा दी गई है। जिसमें दावे एवं आपत्ति निस्तारण की तिथि 26 दिसम्बर, 2023 से 12 जनवरी, 2024 तक, स्वास्थ्य मापदंडों की जांच करना और अंतिम प्रकाशन के लिए आयोग की अनुमति प्राप्त करना व डेटाबेस को अद्यतन करना और पूरकों का मुद्रण की तिथि 1 जनवरी से बढ़ाकर 17 जनवरी, 2024 तक तथा मतदान सूची का अंतिम प्रकाशन 5 जनवरी से 22 जनवरी तक बढ़ा दी गई है। उन्होंने कहा कि जनपद के समस्त विधानसभा में 18 से 19 आयुवर्ग में अनुमानित जनसंख्या के आधार पर कुल 24818 नागरिक हैं, जिसके सापेक्ष पुनरीक्षण अवधि में कुल प्राप्त प्रारूप 5854, निस्तारित दावें-आपत्ति 5678 व 176 दावे आपत्तियों पर निस्तारण की कार्यवाही गतिमान है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जनपद के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्रवार कुल मतदाता 570466 हैं। समाज कल्याण विभाग से प्राप्त दिव्यांग पेंशनर्स कुल 6540 हैं, जिनमें से 6007 दिव्यांग मतदाताओं का नाम ईआरओ नैट में दर्ज कर दिया गया है, जबकि अन्य के नाम दर्ज करने हेतु कार्यवाही की जा रही है। बैठक में उप निर्वाचन अधिकारी ईला गिरी, सहायक निर्वाचन अधिकारी राजेंद्र सिंह अधिकारी व राजनैतिक दलों से राजेंद्र सिंह राणा, भरत रावत, त्रिलोक सिंह, नीलम रावत सहित अन्य उपस्थित थे।

डीएम डॉ. आशीष चौहान बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

ल्वाली झील के चैकडेम की गुणवत्ता पर उठाए सवाल

बीडीसी बैठक में छाई रही मूलभूत समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : ब्लॉक पौड़ी की बीडीसी बैठक में बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि के मुद्दे छाए रहे। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि पूर्व में भी बीडीसी बैठक में मूलभूत सुविधाओं के मुद्दे उठा चुके है, लेकिन समस्याओं का निराकरण नहीं हो पा रहा है।

शुक्रवार को ब्लॉक सभागार में आयोजित बैठक में ग्राम प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष कमल रावत ने बहुचर्चित ल्वाली झील के चैकडेम की गुणवत्ता पर सवाल उठाए। कहा कि करीब 11 करोड़ की राशि खर्च करने के बाद भी झील का निर्माण कार्य अधर में लटका है। उन्होंने डीएम की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति के गठन की मांग उठाई। डांग की प्रधान सुषमा देवी ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत ग्राम सभा में बीते तीन सालों से पानी नहीं पहुंचा। उन्होंने कहा कि पेयजल विभाग से कई बार की शिकायत करने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। जन प्रतिनिधियों ने ब्लॉक के विभिन्न गांवों में जर्जर मोटर मार्गों के डामरीकरण व सुधारीकरण की मांग उठाई। साथ ही उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जंगली जानवरों व बंदरों से खेतों को नुकसान पहुंच रहा है। जिसके लिए उन्होंने प्रशासन से ठोस योजना तैयार करने को कहा। ब्लाक प्रमुख दीपक कुकशाल ने अफसरों को जनप्रतिनिधियों की समस्याएं प्रमुखता के साथ हल करने के निर्देश दिए। बैठक में ग्राम प्रधान संगीता देवी, उर्मिला देवी, राम स्वरूप, सुमन कुमार, कनिष्ठ प्रमुख शांति देवी, बीडीओ नवीन चंद्र उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

जरूरतमंद छात्रों को वितरित की स्वेटर

श्रीनगर गढ़वाल : हिमालयन साहित्य एवं कला परिषद् श्रीनगर गढ़वाल द्वारा रुद्रप्रयाग जनपद की बच्छणस्यूं पट्टी के राजकीय इंटर कॉलेज बरसूड़ी में जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को गर्म स्वेटर, टोपियां, जूते आदि वितरित किए। अजय चौधरी ने बच्चों से एकलव्य की भांति अपने अध्ययन और लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु प्रयासरत रहने को कहा। साथ ही, नीरज नैथानी ने इंटरनेट, गूगल, कम्प्यूटर आदि आधुनिक उपकरणों का सदुपयोग करते हुए विद्यार्जन की नवीन तकनीकी को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर भास्कर चमोली, कृष्णानंद मैठाणी, राजीव बिश्नोई आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : मॉर्डन पब्लिक स्कूल में विंटर फेस्टिवल के तहत जूनियर विंग के छात्र-छात्राओं के लिए नए साल को लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

शुक्रवार को आयोजित विंटर फेस्टिवल में एलकेजी, यूकेजी के बच्चों ने हिंदी, गढ़वाली, कुमाउनी लोकगीतों पर मनमोहक प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में स्कूल की शिक्षिकाओं ने भी पारंपरिक परिधानों के साथ नृत्य प्रस्तुत किए। इस मौके पर स्कूल प्रबंधक गिरीश चन्द्र कुखशाल, प्रधानाचार्य मीना लिंगवाल ने कहा बच्चो के सर्वांगीण विकास के लिए स्कूल ऐसे कार्यक्रम का आयोजन आगे भी करता रहेगा। इस अवसर पर रणधीर सिंह, पीएलबी पुष्पेंद्र राणा, जीतू पहाड़ी, सुमिता लखेड़ा, मंजू कुखशाल, पुष्पा रावत, संतोष नैथानी, कल्पना रतूड़ी, शिवानी, ज्योति, उमा आदि मौजूद रहे।

विधायक को स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

रुद्रपुर(सं)। इंदिरा कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा में गुरु गोविंद सिंह के चार साहिबजादो एवं धन माता गुजर कौर की शहादत को समर्पित महान शहीदी समागम में पहुंचे विधायक शिव अरोरा ने गुरुद्वारा में माथा टेकर समस्त क्षेत्र के सुख समृद्धि की कामना की। प्रबंधक कमेटी की ओर से विधायक शिव अरोरा को चार साहबजादे की स्मृति स्वरूप चित्र भेंट कर सम्मानित किया गया। विधायक शिव अरोरा ने कहा की हमे अपने गुरुओं के गौरवशाली इतिहास सदैव वीरता समर्पण और सेवा भाव की ओर प्रेरित करता है। चार साहिबजादों के बलिदान की शौर्य गाथा से आज की युवा पीढ़ी को सीख लेते हुए समाज हित देश हित मे सदैव आगे आना चाहिए। इस दौरान सरदार दीदार सिंह, प्रीतम सिंह, चरणजीत सिंह, कुलदीप सिंह, कुलदीप सिंह, विक्की, पूर्व पार्षद अम्बर सिंह, सोनू गगनेजा, विकास सागर, बलजीत सिंह, निमित शर्मा, डंम्पी चोपड़ा व अन्य लोग मौजूद रहे।

कनारीछीना के एमसीसी प्रशिक्षण का हुआ समापन

अल्मोड़ा(सं)। कनारीछीना संकुल के तीन दिवसीय एसएमसी प्रशिक्षण का समापन हुआ। अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज नौगांव रीठागाड़ में हुए कार्यक्रम में 42 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। शुक्रवार को खण्ड शिक्षा अधिकारी हरीश रौतेला की देखरेख में आयोजित कार्यक्रम में प्रभारी रमेश मेहरा व विक्रम कठायत ने संदर्भदाता की भूमिका निभाई। प्रशिक्षण में समग्र शिक्षा, बाल अधिकार, बाल संरक्षण पर एसएमसी की भूमिका, सामाजिक संपरीक्षा, बच्चों के नामांकन व ठहराव, स्वच्छता बाल स्वास्थ्य, वित्तीय प्रबंधन आदि की जानकारी दी गई। यहां बिशन सिंह मेहरा, शेर सिंह नेगी, राज लक्ष्मी रावत, भूपेंद्र पटेलिया, रविशंकर गुसाई, हरीश स्यालाकोटी, महिपाल सिंह जड़ौत, बिशन सिंह मेहरा, नंदन मेहरा, पवन कुमार भट्ट, कुंदन कोहली, भूपेंद्र सिंह पटेलिया, राजलक्ष्मी रावत, ममता देवी, भगवती देवी, जीवनलाल, भावना देवी, अर्जुन सिंह, विमला देवी, उमा देवी, सुनीता आर्या, सपना देवी, हेमा देवी, मोहन राम, पूजा देवी, ललित सिंह, तारा देवी, दर्शनी देवी, बबीता देवी, नीमा देवी आदि मौजूद रहे।

चमोली को कई उपलब्धियां और सौगात दे गया वर्ष 2023

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिले के विकास को लेकर वर्ष 2023 खास रहा है। जिले में चुनौतियों के समाधान के साथ ही हुए विकास कार्यों ने चमोली के विकास को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में विकास को गति प्रदान की है। जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बद्रीनाथ धाम के पुनर्निर्माण को मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के नेतृत्व में पूर्ण किया जा रहा है। वहीं सड़कों निर्माण से लेकर अन्य निर्माण कार्यों और नए संस्थानों का जन अपेक्षाओं के अनुसार संचालन शुरु किया गया है। जिसके भविष्य में सुखद परिणाम देखने को मिलेंगे।

चमोली में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिये सिमली में 10 नाली भूमि पर 14.53 करोड़ की लागत से निर्मित महिला बेस चिकित्सालय का संचालन शुरु किया गया। चिकित्सालय में आईसीयू यूनिट व आक्सीजन प्लांट की भी स्थापना करते हुए चिकित्सालय को संसाधान संपन्न किया जा रहा है। चिकित्सालय के जनपद के केंद्र बिंदु में स्थित होने से कर्णप्रयाग क्षेत्र के साथ ही पिंडर घाटी नारायाणबगड़, थराली, देवाल व ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण क्षेत्र के ग्रामीणों भी लाभ मिल रहा है। चमोली के उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित पंच केदारों में चतुर्थ केदार रुद्रनाथ मंदिर में तीर्थयात्रियों को अब पेयजल की आपूर्ति के लिए भटकना नहीं होगा। यहां 12 वर्षों से प्रस्तावित पेयजल योजना का निर्माण पेयजल निगम ने शुरु कर दिया है। योजना के निर्माण के लिए शासन ने निगम को 33 लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत की है। उत्तराखंड पेयजल निगम के अधिशासी अभियंता वीके जैन ने कि आगामी यात्रा काल में रुद्रनाथ मंदिर के दर्शनों को पहुंचने वाले तीर्थयात्रियों को मंदिर परिसर में ही पेयजल की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

40 गांवों को वर्षों बाद मिली पशु चिकित्सालय की सौगात

चमोली जिले के बंड क्षेत्र के 40 गांवों के पशुपालक वर्ष 2005 से क्षेत्र में पशु चिकित्सालय खोलने की मांग कर रहे थे। ऐसे में इस वर्ष सरकार ने क्षेत्र के पशुपालकों की समस्या को देखते हुए पीपलकोटी में 1 चिकित्सक, 1 फार्मासिस्ट और 1-1 स्वच्छक और अनुसेवक की तैनाती के साथ चिकित्सालय खोल दिया है। जिससे क्षेत्र के 40 गांवों के पशु पालकों को अब मवेशियों के उपचार के लिये दर–ब–दर नहीं भटकना पड़ रहा है।

जिला चिकित्सालय में सिटी स्कैन मशीन हुई स्थापित

जनपद की भौगोलिक परिस्थितियों के चलते यहां होने वाली दुर्घटनाओं के बाद सिटी स्कैन मशीन की सुविधा न मिलने पर घायलों को उपचार के लिए बाहरी जिलों की दौड़ लगानी पड़ रही थी। कई बार दुर्घटनाओं के समय सीटी स्कैन की सुविधा न मिलने से घायलों को जान गंवानी पड़ रही थी। ऐसे में स्थानीय जनता के अनुरोध पर शासन ने जिला चिकित्सालय में सिटी स्कैन मशीन की स्थापना के लिए 5 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की। जिसके बाद जिला चिकित्सालय में सिटी स्कैन मशीन स्थापित कर दी गई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार जनवरी माह से यहां लोगों सिटी स्कैन की सुविधा मिलने लगेगी।

फूलों के उत्पादन से काश्तकारों की आय होने लगी मजबूत

जिले में उद्यान विभाग ने जिला योजना से मिली वित्तीय मदद से लीलियम का उत्पादन शुरु किया है। जिससे काश्तकार लाखों की आमदनी कर रह हैं। जिला उद्यान अधिकारी तेजपाल सिंह ने बताया कि विभाग ने जिले के 16 प्रगतिशील काश्तकारों के साथ 26 पॉलीहाउस में लीलियम का उत्पादन शुरु किया। फूलों के उत्पादन के लिए विभाग 80 फीसदी सब्सिडी के पर उन्हें बल्ब उपलब्ध करवा रहा है। कहा कि जहां विभाग ने काश्तकारों को लीलियम के उत्पादन का तकनीकी प्रशिक्षण दिया।

बद्रीनाथ धाम के 18 लाख 42 हजार श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

बदरीनाथ धाम की यात्रा ने बीते वर्षों के सारे रिकार्ड ध्वस्त कर दिए है। बदरीनाथ हाईवे के चौड़ीकरण व सुधारीकरण के चलते इस वर्ष बदरीनाथ धाम में रिकार्ड तीर्थयात्रियों ने भगवान बदरी विशाल के दर्शन किए। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के मुख्य कार्याधिकारी योगेंद्र सिंह ने बताया कि इस वर्ष 27 अप्रैल को बद्रीनाथ धाम के कपाट खुले थे।

टिहरी पुलिस हुड़दंगिंयों पर लगाम कसेगी

नई टिहरी : नए वर्ष के आगमन पर टिहरी पुलिस ने ड्रिंकिंग ड्राइव और हुड़दंगियों पर लगाम कसने की तैयारी शुरू की है। एसएसपी ने जगह-जगह पुलिस टीमों को 40 एल्को मीटर के साथ तैनात करने हेतु अधिनस्त अधिकारियों को निर्देश जारी किये हैं। एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि थर्टी फर्स्ट और नये वर्ष आगमन पर जिले में शांति बनी रहे, इसके लिये पर्यटक स्थलों पर पुलिस टीमों को तैनात किया जा रहा है। मुनिकीरेती क्षेत्र को नटराज चौक से चंद्रभागा और तपोवन को 4 सेक्टरों में बांटा गया है, प्रत्येक सेक्टर के लिये एक सब इंस्पेक्टर की निगरानी में पुलिस टीम तैनात रहेगी। बताया साथ ही धनोल्टी, कैम्पटी, काणताल, कोटी कॉलोनी सहित अन्य पर्यटक स्थलों के साथ विभिन्न स्थानों पुलिस टीम एल्कोहल मीटर के साथ तैनात रहेगी, ताकि ड्रंकन ड्राइव और हुड़दंगियों पर रोक लगाई जा सके। सुरकंडा, कुंजापुरी, चंद्रशेवर मंदिर में भी पुलिस टीम तैनात की हैं। बताया थर्टी फर्स्ट दिसंबर को रात 10 बजे के बाद डीजे बजाने वालों के खिलाफ कार्यवाही अमल में लाई जाऐगी,जिसमें 10 हजार रुपये के चालन का प्रावधान रखा गया है। एसएसपी ने बताया कि बर्फबारी का सीजन देखते हुये दिसंबर माह के अंत से आगामी 15 मार्च तक धनोल्टी क्षेत्र में एसडीआरफ की टीम स्नो चेन और अन्य उपकरणों के साथ तैनात की जा रही है, ताकि बर्फबारी के दौरान सड़क पर वाहन फंसे वाहनों को स्नो चेन की मदद से हटाया जा सके। एसएसपी ने बाहर से आने वाले पर्यटकों के साथ स्थानीय लोगों से किसी तरह के हुडदंग न करने की अपील की है। (एजेंसी)

जनपद चमोली में सात केंद्रों पर 1688 अभ्यार्थी देंगे परीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि।चमोली : उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा दिनांक 31 दिसंबर को स्नातक स्तरीय विभिन्न पदों के लिए परीक्षा होगी। चमोली में स्नातक स्तरीय परीक्षा के लिए सात परीक्षा केन्द्र बनाए गए है। इन परीक्षा केन्द्रों पर 1688 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होगें। परीक्षा प्रातः 11 से 1 बजे तक आयोजित होगी। एग्जाम के दौरान परीक्षा कक्ष एवं कैम्पस में मोबाइल का इस्तेमाल न हो सके इसके लिए सभी कक्षों में जैमर लगाए जाएंगे।अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की परीक्षा की तैयारियों को लेकर अपर जिलाधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने शुक्रवार को सभी नोडल अधिकारियों, सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं केन्द्र व्यवस्थापकों के साथ बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुरूप परीक्षा को शांतिपूर्ण और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराया जाए। सभी केंद्रों पर परीक्षा से एक दिन पूर्व ब्रीफिंग की जाए और अभ्यर्थियों के बैठने के लिए सीटिंग प्लान तैयार किया जाए। परीक्षा केन्द्रों पर वीडियोग्राफी की व्यवस्था भी सुनिश्चित करें। पुलिस को परीक्षा के दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और स्वास्थ्य विभाग को चिकित्सा टीमों को अलर्ट रखने के निर्देश दिए गए है। अपर जिलाधिकारी ने नियुक्त सभी अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का पूरी तरह से निर्वहन करते हुए आयोग के दिशा निर्देशों के अनुरूप परीक्षा को संपन्न कराने को कहा। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के प्रतिनिधि प्रवीन राणा ने बताया कि 31 दिसंबर को सहायक समाज कल्याण अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी, सहायक समीक्षा अधिकारी सहित स्नातक स्तरीय विभिन्न पदों की परीक्षा के लिए जनपद चमोली में सात परीक्षा केन्द्र बनाए गए है।

विकास और प्रयास का वर्ष रहा 2023, जनपद को मिली कई उपलब्धियां

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : वर्ष 2023 कई मायनों में रुद्रप्रयाग जनपद के लिए खास रहा। जहां एक ओर श्री केदारनाथ धाम यात्रा ने नया रिकॉर्ड कायम किया वहीं यात्रा से सीधे तौर पर स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार एवं रोजगार का मौका मिला। खासतौर पर जनपद में महिलाओं की आजीविका सुधार में केदारनाथ यात्रा की अहम भूमिका रही। यह वर्ष स्वास्थ्य सुविधाओं एवं शिक्षा दोनों के हिसाब से भी शानदार रहा, क्योंकि राज्य सरकार के अथक प्रयासों के बाद जनपद में करीब 21 करोड़ की लागत से नर्सिंग कॉलेज तैयार होने जा रहा है वहीं गंभीर बीमारी एवं आपातकाल मरीजों के लिए क्रिटिकल केयर सेंटर का निर्माण भी शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अथक प्रयासों से विश्वस्तरीय इनवेस्टर समिट का प्रभाव भी जिले में बखूबी देखने को मिला। वहीं किसानों एवं काश्तकारों की आजीविका सुधार, चोपता घाटी में इको पार्क निर्माण से लेकर कई अन्य उपलब्धियां भी जनपद के हिस्से आयी। ऐसी कुछ खास एवं महत्त्वपूर्ण उपलब्धियां हम आपके साथ साझा करने जा रहे हैं।

प्रदेश में चारधाम यात्रा हर वर्ष नए रिकार्ड बनाती जा रही है। चारधाम यात्रा के महत्वपूर्ण धामों में शामिल 11वें ज्योर्तिलिंग श्री केदारनाथ धाम ने सभी पुराने रिकार्ड तोड़कर नया कीर्तिमान कायम किया है। जिलाधिकारी सौरभ गहरवार के कुशल नेतृत्व में सभी संबंधित विभागों द्वारा दर्शन करने आए तीर्थ यात्रियों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं चाक-चौबंद की गई, जिसका परिणाम रहा कि इस वर्ष बाबा केदारनाथ के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 19 लाख 61 हजार के पार पहुंच गई है। श्री केदारनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ 25 अप्रैल 2023 को खुल गए थे, मौसम खराब होने के चलते मई के दूसरे सप्ताह से यात्रा ने रफ्तार पकड़ी। बावजूद इस वर्ष रिकार्ड 19 लाख 61 हजार से ज्यादा भक्त बाबा केदारनाथ के दर्शनों को देश-विदेश से पहुचें। जबकि पिछले वर्ष पूरी यात्रा के दौरान करीब 16 लाख श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए थे।

जनपद को मिली नर्सिंग कॉलेज की सौगात

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार ने जनपद को नर्सिंग कॉलेज की सौगात दी है। 20 करोड़ 44 लाख 16 हजार की लागत से विकास खंड अगस्त्यमुनि के कोठगी में बनने जा रहे नर्सिंग कॉलेज का भूमि पूजन एवं शिलान्यास में मुख्यमंत्री ने स्वयं शिरकत की थी। कॉलेज का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। क्षेत्र में नर्सिंग कॉलेज के बनने से यहां के बच्चों को नर्सिंग की पढ़ाई में लाभ मिलेगा एवं उन्हें अंयत्र नहीं जाना पड़ेगा। वहीं कॉलेज खुलने से क्षेत्रीय विकास को रफ्तार मिलेगी एवं रोजगार व स्वरोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

केदारनाथ यात्रा को सुगम बनाएगा रोपवे

श्री केदारनाथ धाम यात्रा अब और सुगम होने जा रही है। 11800 फीट की ऊंचाई पर बसे 11वें ज्योतिर्लिंग बाबा केदारनाथ धाम तक पहुंचने के लिए करीब 20 किलोमीटर का कठिन ट्रेक चढ़ना पड़ता है, लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत केदारनाथ धाम को रोपवे से जोड़ने की पहल की है। केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग के महत्वपूर्ण पड़ाव गौरीकुंड से रामबाड़ा तक 9.70 किलोमीटर लंबा रोपवे तैयार होगा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लिमिटेड को इसका निर्माण करवाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लिमिटेड के डिप्टी मैनेजर जितेष गुप्ता ने बताया कि करीब 1100 करोड़ रूपये की लागत से बनने जा रहे रोपवे निर्माण के लिए सर्वे का कार्य पूर्ण हो गया है एवं टेंडर प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।

देवप्रयाग में लोगों ने पूजित अक्षत कलश यात्रा निकाली

नई टिहरी : विश्व हिन्दू परिषद और आरएसएस ने भगवान राम की तपस्थली देवप्रयाग में अयोध्या राम जन्म भूमि से पूजित अक्षत कलश के पहुंचने पर तीर्थनगरी में संगम तट से कलश यात्रा निकाली। कलश यात्रा में तीर्थ पुरोहित समाज और स्थानीय लोगों ने प्रतिभाग किया। शुक्रवार को रामलला मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व अयोध्या के संतों की ओर से पूजित अक्षत कलश तीर्थनगरी पहुंचा। हिंदू संगठनों द्वारा कलश का देवप्रयाग में भव्य स्वागत करते नगर में ध्वजों और जय श्रीराम के जय घोष के साथ ढोल नगाडों के साथ संगम तट से बाजार में शोभा यात्रा निकाली गई। संघ के जिला प्रचारक भारत ने बताया कि प्रसाद रूपी अक्षत और साहित्य को हर घर तक पहुंचाने का काम किया जाएगा। कलश यात्रा में तीर्थ पुरोहित समाज, स्थानीय, ग्रामीण क्षेत्रों के लोग, सरस्वती शिशु, विद्या मन्दिर के छात्रों सहित रामभक्तों ने बड़ी संख्या में प्रतिभाग किया।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने हाईस्कूल की परीक्षा अनुक्रमांक 0055607 से राजकीय इंटर कॉलेज कठूडखाल, पौड़ी गढ़वाल से संस्थागत परीक्षार्थी एवं इण्टरमीडिएट की परीक्षा अनुक्रमांक 038675 से संस्थागत परीक्षार्थी के रूप में राजकीय इंटर कॉलेज बुंगीधार, पौड़ी गढ़वाल से उत्तीर्ण की। मेरी हाईस्कूल और इण्टरमीडिएट का अंक पत्र एवं प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गये है।

जगत सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह निवासी ग्राम जैंती, पोस्ट जैंतीडांग, पट्टी चौथान, तहसील थलीसैंण, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

सम्पादकीय

ड्रग्स फ्री उत्तराखंड एक बड़ी चुनौती

उत्तराखंड को 2025 तक नशा मुक्त बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अभियान छेड़ा है जिसके तहत सभी जनपदों में नशे का कारोबार करने वालों को चिन्हित करने के साथ–साथ युवाओं को नशे की गिरफ्त में आने से बचने के प्रयास किया जा रहे हैं। एक लंबे समय से उत्तराखंड को नशा तस्कर अपना सॉफ्ट टारगेट बनाते आए हैं जिनमें मुख्य तौर पर युवा वर्ग को निशाना बनाया जाता है। उत्तर प्रदेश से विभाजित नया राज्य बनने के बाद नशे की तस्करी पर रोकथाम लगने की बजाय इसमें बढ़ोतरी देखने को मिली। नशे के इस कारोबार में महिलाओं की भागीदारी ने एक और बड़ी चिंता खड़ी कर दी। ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं जिनमें महिलाओं की आड़ में नशे के कारोबार को चलाया जा रहा है। प्रदेश गठन के बाद उत्तराखंड शिक्षा की दिशा में काफी आगे बढ़ा है और यहां बड़े नगरों में निजी शैक्षिक संगठनों की बाढ़ सी आ गई। खास तौर से देहरादून में शैक्षिक संस्थानों में भारी छात्रों का प्रवेश होने के साथ ही नशे की प्रवृत्ति भी बढ़ी और ड्रग्स पेडलर्स के लिए दून में कुकुरमुत्तो की तरह संचालित होने वाले कई शैक्षिक संस्थान कमाई का एक बड़ा अड्डा बनने लगे। आमतौर पर ड्रग सप्लाई करने वालों का सबसे पहला निशाना यही छात्र वर्ग है और शिक्षा संस्थानों के आसपास ही सबसे अधिक गतिविधियां देखने को मिलती है। तमाम कोशिशें के बाद भी ड्रग्स के इस धंधे पर प्रभावित तौर से रोक नहीं लगाई जा सकी है। इसका एक बड़ा कारण बड़े सरगनाओ तक पुलिस के हाथ न पहुंचना भी है, पकड़े जाने वाले छोटे–मोटे ड्रग्स सप्लायर होते हैं जिनके पकड़े जाने से नशे के कारोबार के सरगनाओ के मंसूबों पर तिल मात्रा भी प्रभाव नहीं पड़ता। पुलिस तंत्र भी जानता है कि नशे का एक बड़ा हिस्सा प्रदेश के बाहर से सप्लाई होता है लेकिन आज तक पुलिस का नेटवर्क इस प्रकार से सुदृढ़ नहीं बन पाया, कि बाहर से होने वाली इस तस्करी को रोका जा सके या उनके सरगनाओ पर शिकंजा कसा जा सके। सरकार उत्तराखंड को 2025 तक ड्रग्स फ्री प्रदेश बनाने का संकल्प लिए बैठी है, लेकिन जब तक पर्दे के पीछे सूरमाओं पर नकल नहीं कसी जाएगी तब तक सरकार को अपने इस संकल्प तक पहुंचने में विशाल चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

खेल संभावनाओं को धक्का

मोहन कुमार

पहलवानों में फैली बेबसी की भावना अब सामने आई है। लेकिन यह भावना सिर्फ उन तक ही सीमित नहीं होगी। अनुमान लगाया जा सकता है कि कुछ इलीट स्पोर्ट्स को छोडक़र बाकी पूरे दायरे में लड़कियों में असुरक्षा और बेबसी का भाव और गहरा गया होगा।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हरियाणा के एक अखाड़े में अचानक पहुंच जाने से पहलवानों की मौजूदा मनोदशा का अंदाजा देश को मिला है। महिला पहलवान विनेश फोगट के अपने खेल रत्न और अर्जुन पुरस्कारों को लौटाने की घोषणा करने के एक दिन बाद सुबह–सुबह राहुल अखाड़े पर गए। इसके पहले बजरंग पुनिया अपना पद्मश्री लौटा चुके हैं और ओलिंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक के आंसू तमाम देशवासियों ने देखे हैं। राहुल ने अपने परिचित अंदाज में अखाड़े जाकर व्यायाम किया और पहलवानों के साथ नाश्ता किया। लेकिन यह बात अहम नहीं है। महत्त्वपूर्ण उनके दौरे के कारण जमीनी स्तर के पहलवानों को मीडिया के सामने आकर अपनी बात कहने का मिला मौका है। पहलवानों के सामने प्रस्तावित राष्ट्रीय टूर्नामेंट का सवाल आया। इस पर उन्होंने कहा कि ये टूर्नामेंट तो हो जाएगा, लेकिन उससे बड़ी समस्या पहलवानों और खासकर महिला पहलवानों के सामने है। जाहिर है, ये वही समस्या है, जिसको लेकर साक्षी मलिक और विनेश फोगट साल भर से संघर्ष कर रहे हैं।

जब यह पूछा गया कि क्या राहुल गांधी के आने से कोई फर्क पड़ेगा, तो एक पहलवान ने कहा कि उनके हाथ में क्या है, जो करना है, वह तो सरकार ही करेगी। ये टिप्पणियां पहलवानों में फैली बेबसी को जाहिर करती हैं। लेकिन यह भावना सिर्फ उन तक ही सीमित होगी, यह मानने का कोई कारण नहीं है।

बल्कि अनुमान लगाया जा सकता है कि कुछ इलीट स्पोर्ट्स को छोडक़र बाकी पूरे दायरे में लड़कियों में असुरक्षा और बेबसी का भाव और गहरा गया होगा। आखिर जो अनुभव पहलवानों को हुआ, वह दूसरे खेलों की खिलाडिय़ों के लिए भी असामान्य नहीं है। इस मामले में खास यह हुआ कि कुछ पहलवानों ने लड़ाई लड़ी। लेकिन पूरा सिस्टम– जिसमें सत्ता पक्ष भी है– आरोपी के बचाव में खड़ा नजर आया। अब डैमेज कंट्रोल के लिए कुछ कदम जरूर उठाए गए हैं, लेकिन उन कदमों की गंभीरता पर सवाल लगातार बना हुआ है। ऐसे सवालों के बीच खेल जगत में भारत के उत्थान की उम्मीदों का कोई मजबूत आधार नहीं हो सकता। असल में ऐसी उम्मीदों को तगड़ा झटका लगा है।

भारतीय राजनीति में पक्ष–विपक्ष में बढ़ती दूरी

अजय दीक्षित

गत 21 दिसम्बर को संसद का शीतकालीन सत्र अनिश्चत काल के लिए स्थगित हो गया । यह सत्र कई मायनों में उल्लेखनीय रहा है । इस सत्र में कई महत्वपूर्ण बिल पारित हो गये । दण्ड संहिता से सम्बन्धित आई.पी.सी., सी.आर.पी.सी. जैसे अंग्रेजों के काल से चले आ रहे तीन नये बिल लाये गये । गृहमंत्री ने कहा कि अंग्रेजों के बनाये ये कानून दण्ड देने के लिए थे । गुलाम मानसिकता से छुट्टी पा कर नये बिल न्याय देने के लिए हैं। अब दण्ड संहिता की पुरानी धाराओं के स्थान पर नयी धाराएं आ गई हैं । राजद्रोह की जगह इसे देशद्रोह किया गया है । इसी प्रकार मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य आयुक्तों की नियुक्ति सम्बन्धी कमेटी की सदस्यता बदल दी गई है । अब मुख्य न्यायाधीश के स्थान पर प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक मंत्री सदस्य होगा। यानि प्रधानमंत्री, एक अन्य मंत्री और विपक्ष का लीडर । अब निश्चय ही मनचाहा व्यक्ति नियुक्त किया जा सकेगा । यूं पहले भी नियुक्त आयुक्त कुछ स्वतंत्र होकर कार्य करते नहीं दीखते थे । कुछ साल पहले एक आयुक्त ने प्रधानमंत्री की सभाओं पर अपना विमत दिया था जो सार्वजनिक नहीं होने दिया । यह भी आरोप है कि बाद में उस आयुक्त को, उसकी पत्नी, पुत्रों को शासन की एजेन्सियों द्वारा प्रताड़ित किया गया । यह बात दूसरी है कि शेसन के समय माहौल कुछ और था । अस्तु, मुख्य बात यह है कि ये सभी महत्वपूर्ण बिल बिना बहस के पारित हो गये क्योंकि लोकसभा और राज्यसभा के धीरे–धीरे दिन पर दिन 146 सदस्यों को निष्कासित कर दिया गया । इस बार संसद सचिवालय ने निलम्बित सदस्यों को लाबी, गैलरी व अपने कक्ष में जाने से भी वंचित कर दिया । मानों ये अब सांसद ही नहीं है । कानून वेक्ता कहते हैं यह आदेश सिरे से गलत है क्योंकि निष्कासन मात्र कार्यवाही में भाग न ले सकने को कहते हैं । जो भी हो संसदीय कार्य मंत्री की अनुशंसा के बाद राज्यसभा के सभापति या लोकसभा के अध्यक्ष ने इन 146 सदस्यों को शेष सत्र के लिए निष्कासित कर दिया । कुछ सदस्यों का मामला प्रिविलेज कमेटी को भी भेजा गया ।

कुल मिलाकर यह स्थिति भारतीय राजनीति का काला पक्ष है क्योंकि पक्ष और विपक्ष दोनों के संयोग से संसदीय कार्य सम्पन्न होते हैं ।

मेरे अंग्रेज मित्र पत्रकार जो लंदन से छपने वाले 'गार्जियन' और 'डेली टेलीग्राफ' दैनिकों के लिए लिखते हैं और वे ब्रिटिश पार्लियामेंट को कवर करते हैं, बतलाते हैं कि वहां सत्ताधारी पार्टी और विपक्ष की पार्टी के सदस्यों में परस्पर सौहार्द रहता है । संयुक्त क्रिकेट मैच होते हैं, साथ–साथ लंच होता है, साथ–साथ पिकनिक होती है और लेबर और कंजरवेटिव पार्टी के सदस्य एक ही कार में संसद में आते दिखलाई देते हैं । अब यह कहा जा सकता है कि यह तो गुलाम मानसिकता वाले देश का उदाहरण है, तो भारतीय उदाहरण में कुरुक्षेत्र युद्ध में पाण्डव शाम ढलते कौरवों के कैम्प में जाकर भीष्म पितामह के घावों में मलहम लगाते थे ।

असल में दोनों पक्षों को आत्म चिंतन की जरूरत है । यदि राज्यसभा के सभापति की नकल उतारना गलत है तो प्रधान सेवक द्वारा राहुल गांधी की नकल उतारना भी गलत है। यह कहना भी गलत है कि "बरसाती पहनकर नहाना तो कोई डाक्टर साहब से पूछे" । यह कटाक्ष डॉ. मनमोहन सिंह के लिए था ।

कोई भी राजनैतिक दल हो, उसके प्रवक्ता टी.वी. चैनलों में अन्य दलों को कोसते रहते हैं । इसके बात–बात में भाजपा या कांग्रेस या सपा या आप या टी.एम.सी. के प्रवक्ता किसी भी मुद्दे का मीडिया ट्रायल करते हैं । इस पर तो सवोच्च न्यायालय को रोक लगानी चाहिए क्योंकि अनेक बार न्यायालयों में लंबित केसों पर भी इनके द्वारा टिप्पणी करती देखी जा सकती है । स्वस्थ राजनीति में पक्ष और विपक्ष एक हैं । दोनों के सहयोग से प्रजातंत्र पुष्ट होगा !

शेष शुभ ।

मुआवजे तक में मुश्किल

यह भारत में मानवीय गरिमा के प्रति बेरुखी का प्रमाण है कि देश में आज भी हजारों लोग सीवरों और सेप्टिक टैंकों की सफाई करने के लिए उनमें उतरने के लिए मजबूर हैं, जबकि 2013 में ही इस चलन पर कानूनन प्रतिबंध लगा दिया गया था।

भारत में आज इंसान के हाथों सीवर और सेप्टिक टैंकों की सफाई बड़ी समस्या बनी हुई है। असल में यह देश के चेहरे पर एक बदनुमा दाग भी है। यह भारत में मानवीय गरिमा के अनादर और उसके प्रति बेरुखी का प्रमाण है कि देश में आज भी हजारों लोग सीवरों और सेप्टिक टैंकों की सफाई करने के लिए उनमें उतरने के लिए मजबूर हैं, जबकि साल 2013 में ही इस चलन पर कानूनन प्रतिबंध लगा दिया गया था। जाहिर है, वह पाबंदी सिर्फ कागज पर सिमट कर रह गई है। संसद के हाल में खत्म हुए सत्र में सरकार ने बताया कि इस साल 20 नवंबर तक सीवर और सेप्टिक टैंकों की सफाई के दौरान 49 मौतें दर्ज की गईं। अब ताजा खबर यह है कि सीवर में उतरने के कारण जो मजदूर मर जाते हैं, उन्हें मुआवजा देने में अपेक्षित तत्परता नहीं दिखाई जाती। इसी साल अक्टूबर में सुप्रीम कोर्ट ने सीवर की सफाई के दौरान होने वाली मौतों के बारे में एक अहम आदेश जारी किया था।

कोर्ट ने कहा था कि जो लोग सीवर की सफाई के दौरान मारे जाते हैं, उनके परिवार को सरकार को 30 लाख रुपए की सहायता देनी होगी। सीवर की सफाई के दौरान स्थायी विकलांगता के शिकार होने वाले मजदूरों को न्यूनतम 20 लाख रुपए और किसी अन्य विकलांगता से ग्रस्त कर्मियों को 10 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश न्यायालय ने दिया। इसके पहले 2014 में भी सुप्रीम कोर्ट ने एक आदेश दिया था, जिसमें मृतकों को दस लाख रुपए की सहायता देने को कहा गया था। अब सामने आया है कि 1993 से इस साल 31 मार्च तक देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सीवर में होने वाली मौतों की 1,081 घटनाओं में से 925 मामलों में ही मुआवजे का भुगतान किया गया है। यह आंकड़ा राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग ने दिया है। इसके मुताबिक 115 मामलों में अभी भी मुआवजा दिया जाना बाकी है। जबकि 41 मामलों को राज्यों सरकारों ने बंद कर दिया है, क्योंकि उनके मुताबिक मृतकों के कानूनी वारिस का पता नहीं लगाया जा सका।

कांग्रेस से उलट भाजपा की रणनीति

कांग्रेस की तरह भाजपा ने भी अगले लोकसभा चुनाव में लक्षित लड़ाई की रणनीति बनाई है। लेकिन कांग्रेस से उलट भाजपा का लक्ष्य ऐसे राज्य हैं, जहां वह पारंपरिक रूप से मजबूत नहीं रही है। एक तरफ कांग्रेस ने ऐसे राज्यों को लक्ष्य किया है, जहां वह अकेले या गठबंधन के साथ मजबूत है, जबकि भाजपा ने ऐसे राज्यों पर फोकस किया है, जहां वह पारंपरिक रूप से मजबूत नहीं है लेकिन जातीय, सामाजिक समीकरण ऐसा है, कि वह जीत सकती है। तभी ने सबसे पहले पश्चिम बंगाल को लक्ष्य बनाया है, जहां वह पिछली बार 18 सीटों पर जीती थी। इस बार पार्टी ने राज्य की 42 में से 35 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। पार्टी कितनी गंभीर है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि मंगलवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एक साथ बंगाल के दौरे पर पहुंचे।

भाजपा को उम्मीद है कि अगर वह अपने वोट आधार में एक से दो फीसदी का भी इजाफा कर लेती है तो 30 से ज्यादा सीटें जीत सकती है। भाजपा के जानकार नेताओं के मुताबिक पार्टी को लग रहा है कि अगर कुछ राज्यों में सीटों का नुकसान होता है तो उसकी भरपाई बंगाल से हो सकती है। इसके अलावा कांग्रेस दक्षिण भारत के चार राज्यों को लक्ष्य बना रही, जहां उसका आधार कमजोर है। यहां तक कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या गृह मंत्री अमित शाह में से कोई दक्षिण भारत में चुनाव लड़ सकता है।

कर्नाटक के अलावा आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल और तमिलनाडु की 101 लोकसभा सीटों में से भाजपा के पास चार सीटें हैं। इसे दो अंकों में पहुंचाने की रणनीति पर भाजपा राजनीति कर रही है। भाजपा को तमिलनाडु की कन्याकुमारी सीट पर चार लाख से ज्यादा वोट मिले थे और तिरुवनंतपुरम सीट पर तीन लाख से ज्यादा वोट मिले थे। इन दोनों सीटों पर इस बार जीत के इरादे से भाजपा लड़ेगी। आंध्र प्रदेश में पवन कल्याण की जन सेना पार्टी से भाजपा ने तालमेल कर लिया है और संभव है कि टीडीपी से भी तालमेल हो सकता है। वहां भी भाजपा खाता खुलने की उम्मीद कर रही है। तेलंगाना में पिछली बार उसे चार सीटें मिली थीं इस बार उसमें इजाफा करने के रणनीति पर पार्टी काम कर रही है।

किस रंग की होगी रामलला की मूर्ति: श्याम होगी या श्वेत, इसको लेकर हुई वोटिंग

अयोध्या, एजेंसी। राममंदिर में प्राण प्रतिष्ठित होने वाली रामलला की अचल मूर्ति के चयन को लेकर शुक्रवार को करीब पांच घंटे तक मंथन चला। बाल स्वरूप भगवान राम किस शिला के, किस रंग के व किस रूप के होंगे, इसके लिए आखिरकार वोटिंग करवानी पड़ी। ट्रस्ट के सभी सदस्यों ने एक, दो व तीन नंबर के क्रम में वोट दिए। इसके बाद टीम ने निर्णय सुरक्षित कर लिया। अब श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास की सहमति बाकी है। ट्रस्ट के सूत्रों के मुताबिक, ट्रस्टियों को कर्नाटक के अरुण योगीराज की श्याम शिला वाली मूर्ति ज्यादा भायी है। हालांकि, ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

सुबह दस बजे कारसेवकपुरम में बैठक शुरू हुई। ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों ने अचल मूर्ति को लेकर अपनी राय दी। सभी की राय को एकत्रित किया गया। इसके बाद ट्रस्ट के सभी पदाधिकारी रामसेवकपुरम पहुंचे, जहां तीनों मूर्तियों को सभी ने देखा। मूर्तिकारों से बातचीत की। बैठक के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने बताया कि तीनों मूर्तिकारों ने बहुत ही बेहतरीन काम किया है। किसी एक मूर्ति का चयन करना हमारे लिए कठिन हो गया है। सभी ट्रस्टियों ने व्यक्तिगत मत दिए हैं। जल्द अचल मूर्ति का चयन हो जाएगा। अंतिम निर्णय ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास करेंगे।राममंदिर के ट्रस्टी युगपुरुष परमानंद ने बताया कि तीनों मूर्तिकारों का परिश्रम, चिंतन लाजवाब है। मूर्तियों को देखकर लगता है कि इन्होंने रामायण व शास्त्रों का गहन अध्ययन करने के बाद मूर्ति निर्माण किया है। मूर्तियां शास्त्रोक्त व रामायण काल के आधार पर बनाई गई हैं। तीनों मूर्तियों में बाल सुलभ कोमलता झलक रही है। भगवान श्रीराम के चरण रज से शिला भी जीवंत हो उठती है। वह जिस शिला में प्रकट होना चाहेंगे, उस शिला में स्वयं आकार ले लेंगे।बैठक में राममंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र, ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, जगद्गुरु वासुदेवानंद सरस्वती, महंत दिनेंद्र दास, डॉ अनिल मिश्र, कामेश्वर चौपाल, बिमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र, जिलाधिकारी नितीश कुमार शामिल रहे। के पराशरण, जगद्गुरु विश्वप्रसन्न तीर्थ, प्रदेश सरकार के गृह सचिव संजय प्रसाद से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये राय ली गई है।

रामलला की अचल मूर्ति निर्माण के लिए नेपाल की गंडकी नदी समेत कर्नाटक, राजस्थान व उड़ीसा के उच्च गुणवत्ता वाले 12 पत्थर ट्रस्ट ने मंगाए थे। इन सभी पत्थरों को परखा गया तो राजस्थान व कर्नाटक की शिला ही मूर्ति निर्माण के लायक मिली। देश के तीन प्रसिद्ध मूर्तिकार इन शिलाओं पर रामलला के बाल स्वरूप को जीवंत करने में जुट गए। राजस्थान की संगमरमर शिला पर विग्रह बनाने का काम मूर्तिकार सत्यनारायण पांडेय कर रहे हैं। कर्नाटक की श्याम रंग की एक शिला पर मूर्तिकार गणेश भट्ट व दूसरी शिला पर अरुण योगीराज ने रामलला की अद्भुत छवि उकेरी है।कर्नाटक की श्याम शिला व राजस्थान के मकराना के संगमरमर शिला को इनकी विशेष खासियतों के चलते चुना गया। मकराना की शिला बहुत कठोर होती है और नक्काशी के लिए सर्वोत्तम होती है। इसकी चमक सदियों तक रहती है। वहीं कर्नाटक की श्याम शिला पर नक्काशी आसानी से होती है। ये शिलाएं जलरोधी होती हैं, इनकी आयु लंबी होती है।

मूर्ति निर्माण के तय हुए थे ये मानक

- मूर्ति की कुल ऊंचाई 52 इंच हो
- श्रीराम की भुजाएं घुटनों तक लंबी हों
- मस्तक सुंदर, आंखें बड़ी और ललाट भव्य हों
- कमल दल पर खड़ी मुद्रा में मूर्ति
- हाथ में तीर व धनुष
- मूर्ति में पांच साल के बच्चे की बाल सुलभ कोमलता झलके।

इराक में प्रांतीय चुनावों के अंतिम नतीजों की घोषणा

बगदाद,एजेंसी। इराकी स्वतंत्र उच्च चुनाव आयोग (आईएचईसी) ने अर्ध-स्वायत्त कुर्दिस्तान क्षेत्र के तीन प्रांतों को छोड़कर, देश के 18 प्रांतों में से 15 में हुए प्रांतीय चुनावों के अंतिम परिणामों की घोषणा कर दी है।

रिपोर्ट के अनुसार, हशद शाबी बलों से संबद्ध बद्र संगठन के नेता हादी अल-अमेरी के नेतृत्व में नबनी गठबंधन बगदाद सहित दस प्रांतों में 43 सीटें जीतने के बाद सबसे आगे बनकर उभरा है। रिपोर्ट के अनुसार, हश्द शाबी बलों से संबद्ध बद्र संगठन के नेता हादी अल-अमेरी के नेतृत्व में नबनी गठबंधन बगदाद सहित दस प्रांतों में 43 सीटें जीतने के बाद सबसे आगे बनकर उभरा। पूर्व प्रधान मंत्री नूरी अल-मलिकी के नेतृत्व में स्टेट ऑफ लॉ गठबंधन ने 35 सीटें जीतीं। बर्खास्त संसद अध्यक्ष मोहम्मद अल हलबौसी के नेतृत्व वाले तकदुम (प्रगति) के नाम से जाने जाने वाले सुन्नी गठबंधन ने पांच प्रांतों में 21 सीटें जीतीं।

आईएचईसी के अनुसार 16 मिलियन से अधिक योग्य मतदाताओं में से लगभग 6.6 मिलियन ने 18 दिसंबर को आम मतदान और 16 दिसंबर को प्रारंभिक मतदान के दौरान अपना वोट डाला। मतदाताओं ने 5,901 उम्मीदवारों में से प्रांतीय परिषदों के लिए 285 नए सदस्यों को चुना।

इराक में आखिरी बार प्रांतीय चुनाव अप्रैल 2013 में हुए थे।

लाल सागर में हौथी द्वारा दागे गए ड्रोन, एंटी-शिप मिसाइल को मार गिराया: अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका ने शुक्रवार को कहा कि उसने हौथी द्वारा दागे गए एक ड्रोन और एक जहाज-रोधी बैलिस्टिक मिसाइल को मार गिराया है। रिपोर्टों में कहा गया है कि हूतियों ने कथित तौर पर लाल सागर में जहाजों को बार-बार निशाना बनाया। कहा जाता है कि वे गाजा में फिलिस्तीनियों के समर्थन में हैं, जहां इज़राइल आतंकवादी समूह हमास से लड़ रहा है। यूएस सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के हवाले से मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है, यूएसएस मेसन (डीडीजी 87) ने दक्षिणी लाल सागर में एक ड्रोन और एक एंटी-शिप बैलिस्टिक मिसाइल को मार गिराया, जिसे हूथियों ने दागा था। सेंटकॉम ने कहा, क्षेत्र में 18 जहाजों में से किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ या किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। हूथियों ने कहा कि वे गाजा पट्टी में आक्रामकता को रोकने के लिए इज़राइल और इज़राइल से जुड़े जहाजों को निशाना बना रहे हैं। 7 अक्टूबर को हमास द्वारा हमला करने के बाद इजराइल-हमास संघर्ष शुरू हुआ।

यूक्रेन में सिलसिलेवार धमाके, हवाई हमलों की चेतावनी के बीच कई क्षेत्रों में हुए विस्फोट

कीव, एजेंसी। यूक्रेन में हवाई हमले की चेतावनी जारी होने के बाद शुक्रवार को देश के कई क्षेत्रों में विस्फोट के धमाके सुने गए। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने एक घंटे के भीतर सिलसिलेवार विस्फोटों की सूचना दी। बाद में उन्होंने कहा कि विस्फोटों से गोदाम और एक सब-वे स्टेशन की इमारत को नुकसान पहुंचा है, जो लुकियानिव्स्का में एक आश्रय स्थल के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था।

श्री क्लिटस्को ने टेलीग्राम में कहा कि वायु रक्षा प्रणालियां सुचारू रूप से काम कर रही हैं। ल्वीव के मेयर एंड्री इवानोविच सदोवी ने कहा कि हवाई हमले की चेतावनी के बाद शहर में हवाई हमलों की चपेट में आ गया। यूक्रेनी समाचार पत्र जेरकालो टाइज़निया ने श्री सदोवी के हवाले से कहा कि हमें ल्वीव में दो हवाई हमलों की सूचना मिली है।

आर्थिक सहयोग को विस्तार देंगे भारत-रूस, जयशंकर से मुलाकात के दौरान बोले राष्ट्रपति पुतिन

मास्को, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निजी संदेश को लेकर रूस के बेहद अहम दौरे पर पहुंचे भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की।

इस दौरान पुतिन ने उनका जोरदार स्वागत किया। यही नहीं पुतिन ने प्रोटोकॉल तोड़ते हुए भारतीय विदेश मंत्री के साथ आमने-सामने बेहद करीब बैठकर बातचीत की। पुतिन के इस कदम को बहुत दुर्लभ माना जा रहा है। जयशंकर ने पुतिन के साथ मुलाकात के दौरान उन्हें पीएम का निजी संदेश भी दिया। उन्होंने पुतिन से कहा कि मोदी ने शुभकामनाएं दी हैं। पुतिन ने भारतीय प्रधानमंत्री को साल 2024 की शुरुआत में रूस आने का न्योता दिया, जिसे भारत ने स्वीकार कर लिया है। पुतिन ने जयशंकर से कहा कि हम इस बात से बेहद खुश होंगे कि पीएम मोदी रूस आएं। पुतिन ने कहा कि हमारे पास वर्तमान मुद्दों पर बातचीत करने का अवसर होगा।

साथ ही दोनों देशों के बीच रिश्तों को आगे बढ़ाने पर बातचीत होगी। हमें कई विषयों पर बात करना होगा। पुतिन ने यह भी माना कि 2024 के पहले छह महीने मोदी के लिए बहुत कठिन होंगे, क्योंकि भारत में आम चुनाव होने वाले हैं। हम भारत के दोस्तों की सफलता की कामना करते हैं।

हम मानते हैं कि हम अपने परंपरागत दोस्ताना संबंधों को किसी भी राजनीतिक शक्ति के साथ बरकरार रखेंगे। पुतिन ने विश्व में जारी उथल-पुथल के बावजूद भारत रूस संबंधों में प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को विस्तार देने की आवश्यकता जताई है। पुतिन ने कहा कि हमारा व्यापार लगातार दूसरे वर्ष और आत्मविश्वासपूर्ण गति से बढ़ रहा है।

दक्षिण चीन सागर में भारत-फिलीपींस संयुक्त अभ्यास से चीन परेशान

बीजिंग, एजेंसी। भारत और फिलीपींस दक्षिण चीन सागर में किए गए नौसैनिक अभ्यास से चीन परेशान है। नाराज चीन ने इस पर कहा कि विभिन्न देशों के बीच रक्षा सहयोग से किसी तीसरे देश के हितों व क्षेत्रीय शांति को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए।पिछले दिनों भारतीय नौसेना का जहाज आईएनएस कदमत अपने एक ऑपरेशन के तहत फिलिपींस पहुंचा था। यह नौसैनिक जहाज फिलीपींस से निकलने के बाद दक्षिण चीन सागर में एक महत्वपूर्ण संयुक्त सैन्य अभ्यास का हिस्सा बना। नौसेना का जहाज आईएनएस कदमत स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित पनडुब्बी रोधी समुद्री युद्धपोत है, जो अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी वेपन सूट से सुसज्जित है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक वर्तमान में चल रही लंबी दूरी की ऑपरेशन तैनाती के एक हिस्से के रूप में आईएनएस कदमत फ़िलिपींस की राजधानी मनीला पहुंचा था। इस यात्रा का उद्देश्य भारत और फ़िलिपींस के बीच समुद्री सहयोग को बढ़ावा देना था। मनीला से प्रस्थान के बाद दक्षिण चीन सागर में आईएनएस कदमत व फ़िलिपींस नौसेना के अपतटीय गश्ती जहाज बीआरपी रेमन अलकराज के बीच समुद्री साझेदारी अभ्यास आयोजित किया गया। अब चीन, भारत और फिलीपींस के अभ्यास व फ्रांसिसी नौसेना के साथ प्रस्तावित फिलीपींस के हवाई अभ्यास पर प्रश्न उठा रहा है। चीनी मीडिया में चाईनीज रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल वू कियान ने कहा कि चीन ने सदैव इस बात पर जोर दिया है कि संबंधित देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग से तीसरे पक्ष के हितों को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए।

ललन सिंह ने जदयू के अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा, अब नीतीश कुमार संभालेंगे पार्टी की कमान

नई दिल्ली, एजेंसी। जनता दल यू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने पद से इस्तीफा दे दिया है और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पार्टी के नए अध्यक्ष होंगे। श्री सिंह ने शुक्रवार को यहां पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दौरान अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की पेशकश की। साथ ही उन्होंने नीतीश कुमार को पार्टी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने का प्रस्ताव भी पेश किया। कार्यकारिणी ने श्री सिंह के इस्तीफे को स्वीकार करते हुए नीतीश कुमार को पार्टी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने के प्रस्ताव का समर्थन किया।

उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों से ये अटकलें चल रही थी कि श्री सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद से इस्तीफा देंगे और उनकी जगह नीतीश कुमार पार्टी की कमान संभालेंगे। पार्टी के वरिष्ठ नेता के सी त्यागी ने संवाददाताओं के सवालों के जवाब में कहा कि पार्टी की शाम को प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी, जिसमें सभी फैसलों की आधिकारिक रूप से घोषणा की जाएगी। जदयू के राज्यसभा में सांसद और वरिष्ठ नेता रामनाथ ठाकुर ने कहा कि श्री सिंह ने चुनाव लड़ने के लिए अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी से मुक्त करने का आग्रह किया था। उन्होंने यह भी कहा कि कार्यकारिणी में लिए गए सभी फसलों की जानकारी राष्ट्रीय परिषद की बैठक के बाद शाम को दी जाएगी। हालांकि पार्टी पदाधिकारियों की गुरुवार शाम यहां हुई बैठक के बाद जदयू के सभी बड़े नेताओं ने श्री सिंह के इस्तीफे की अटकलें को खारिज कर दिया था और कहा था कि पार्टी में सब कुछ सामान्य है तथा किसी तरह की कोई गड़बड़ नहीं है।

भाजपा और आरएसएस ने डर के मारे अंग्रेजों का साथ दिया, अब 10 साल से जनता को किया जा रहा तंग

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को डरपोक बताते हुए कहा है कि डर के मारे ही उन्होंने अंग्रेजों का साथ दिया और अब पिछले 10 वर्ष से उनकी सरकार देश के लोगों को तंग कर रही है। श्री खडगे ने कहा कि देश में डर का माहौल पैदा किया गया है और यह माहौल उन लोगों ने पैदा किया है जो खुद डर के कारण अंग्रेजों के साथ मिलकर काम करते थे।

उन्होंने कहा कि भाजपा-आरएसएस देश को बर्बादी की तरफ ले जा रहे हैं इसलिए इनसे मुक्ति जरूरी है। श्री खड़गे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मोदी, भाजपा-आरएसएस से डरने वाली नहीं है। भाजपा-आरएसएस डरपोक हैं।

दिल्ली-एनसीआर में घना कोहरा, उड़ानें और ट्रेनें प्रभावित, 359 पहुंचा एयर क्वालिटी इंडेक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र शुक्रवार सुबह घने कोहरे में लिपटा रहा जिससे उड़ानें और ट्रेन परिचालन प्रभावित हुआ और वायु गुणवत्ता 359 एक्यूआई स्तर के साथ 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी हुई है। उत्तर रेलवे के अनुसार कोहरे के कारण 11 ट्रेनें दिल्ली में देरी से पहुंचीं। देरी से आने वाली ट्रेनों में मुंबई-सीएसटीएम अमृतसर एक्सप्रेस, फरक्का एक्सप्रेस, ब्रह्मपुत्र मेल, एमसीटीएम उधमपुर-दिल्ली सराय रोहिल्ला और जम्मू मेल शामिल हैं।

दिल्ली-हावड़ा रूट पर राजधानी एक्सप्रेस 10 से 12 घंटे की देरी से चल रही है। इस बीच, इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कोहरे की स्थिति में काफी सुधार हुआ क्योंकि न्यूनतम दृश्यता 150 मीटर दर्ज की गई जबकि रनवे विजुअल रेंज (आरवीआर) 400 मीटर से 800 मीटर के बीच रही। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार शुक्रवार को अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से चार डिग्री अधिक है। मौसम एजेंसी ने भविष्यवाणी की है कि अगले दो दिनों तक उत्तर भारतीय राज्यों में घने से बहुत घने कोहरे की स्थिति बनी रहेगी।

साउथ अफ्रीका को घर में हराना मजाक नहीं है: कप्तान रोहित, सुधारनी होंगी ये गलतियां

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के आगाज से पहले हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में कप्तान रोहित शर्मा ने कहा था कि वह वो काम करके दिखाना चाहते हैं, जो कोई भी भारतीय कप्तान नहीं कर सका है। रोहित का मतलब यह था कि वह साउथ अफ्रीका की धरती पर टेस्ट सीरीज जीतने वाले पहले इंडियन कैप्टन बनने चाहते हैं। रोहित और टीम इंडिया का सपना महज सपना ही बनकर रह गया।

औंधे मुंह गिरी टीम इंडिया

सेंचुरियन में भारतीय टीम की जो दुर्गति हुई वो किसी से छुपी नहीं है। टेस्ट जीतने का तो छोड़िए रोहित की ब्रिगेड ने तो महज तीन दिन में ही हथियार डाल दिए। साउथ अफ्रीका को उसी की सरजमीं पर हराना कोई मजाक नहीं है और यह बात कप्तान रोहित को भी पहले टेस्ट में ही बखूबी समझ आ गई होगी। कागज पर बेहद ताकतवर नजर आ रही भारत की टीम में महज तीन दिन के खेल के बाद अब लाखों कमियां दिखाई दे रही हैं। दूसरे टेस्ट से पहले इन कमियों को कप्तान रोहित और टीम मैनेजमेंट को दूर करना होगा, नहीं तो केपटाउन में सीरीज बराबर करने का सपना भी चकनाचूर हो जाएगा।

रोहित की कप्तानी फुस्स

वर्ल्ड कप 2023 में रोहित शर्मा ने अपनी कप्तानी से खूब वाहवाही लूटी थी। हालांकि, साउथ अफ्रीका की धरती पर क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में रोहित की कैप्टेंसी पूरी तरह से फुस्स रही। ना तो रोहित ठीक तरह से अपने गेंदबाजों का इस्तेमाल कर सके और ना ही गेम को सही तरह से चला पाए। नतीजा यह रहा कि जिस पिच पर भारत के लिए पहली पारी में 245 रन बनाने मुश्किल हुए, उसी पर मेजबान टीम ने हंसते-खेलते हुए 408 रन लगा डाले। दूसरे टेस्ट में रोहित को वनडे फॉर्मेट को भुलाकर टेस्ट के हिसाब से कप्तानी के रंग में ढलना होगा।

ताकत ही बनी कमजोरी

पिछले कुछ सालों में विदेशी धरती पर टीम इंडिया की सबसे बड़ी ताकत तेज गेंदबाजी रही है। हालांकि, सेंचुरियन टेस्ट में भारतीय टीम की सबसे बड़ी ताकत ही कमजोरी बनकर सामने आई। जसप्रीत बुमराह तो फिर भी लय में दिखाई दिए, पर उनको ना तो सिराज और ना ही प्रसिद्ध कृष्णा से कोई साथ मिला। साउथ अफ्रीका के मैदानों को फास्ट बॉलर्स के लिए स्वर्ग से कम नहीं समझा जाता है, क्योंकि यहां की पिचों से अच्छा बाउंस और सीम दोनों मिलता है।

बल्लेबाजों की नाकामी

पहले टेस्ट में गेंदबाजों से ज्यादा नाक टीम के बल्लेबाजों ने कटाई। पहली पारी में केएल राहुल, तो दूसरी इनिंग में विराट कोहली को छोड़कर किसी भी बल्लेबाज ने टिककर खेलने का प्रयास नहीं किया। भारतीय बल्लेबाजों में पवेलियन लौटने की होड़ सी नजर आई।

उम्मीद 2024: साल 2024 में आयोजित होंगे ओलंपिक समेत ये बड़े स्पोर्ट्स इवेंट

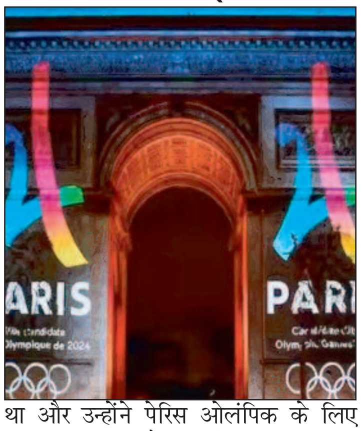

नई दिल्ली। साल 2023 खेल जगत में मिला जुला रहा। एक तरफ जहां क्रिकेट में भारत के हाथों निराशा हाथ लगी तो वहीं, एशियन गेम्स में भारतीय महिला और पुरुष ने गोल्ड जीतकर इतिहास रचा। यह साल स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा के नाम रहा। दोहा डायमंड लीग में गोल्ड पर कब्जा किया। क्रिकेट में भारत ने पहले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियंशिप का फाइनल गंवाया, उसके बाद वनडे वर्ल्ड कप फाइनल जीते का सपना अधूरा रह गया, लेकिन साल में कई टूर्नामेंट भारत के लिए नई उम्मीद लेकर आएंगे। आइए जानते हैं किस-किस खेल में भारत साल 2024 को यादगार बना सकता है।

टी20 वर्ल्ड कप

आगामी साल में वेस्टइंडीज और यूएसए की मेजबानी में टी20 वर्ल्ड कप खेला जाना है। पिछले टी20 वर्ल्ड कप में भारत को सेमीफाइनल में इंग्लैंड के हाथों शिकस्त मिली थी। साल 2024 के टी20 वर्ल्ड कप में भारत से जीत की उम्मीद रहेगी। वहीं, बांग्लादेश की मेजबानी में महिला टी20 वर्ल्ड कप का भी आयोजन किया जाएगा।

पेरिस ओलंपिक

भारतीय खिलाड़ियों के लिए साल 2024 बहुत ही खास होने वाला है। पेरिस में ओलंपिक का आयोजन किया जाएगा। भारत की पुरुष और महिला दोनों टीमों ने टोक्यो ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन किया था और उन्होंने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वॉलिफाइ किया है। इसके अलावा अन्य खेलों के खिलाड़ियों ने भी पेरिस ओलंपिक का टिकट हासिल किया है।अगले साल 2024 में उत्तराखंड 38वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी करेगा। 37वें राष्ट्रीय खेलों में खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। अगले राष्ट्रीय खेलों में भी खिलाड़ियों से बेजोड़ प्रदर्शन की उम्मीद की जाएगी। इनके अलावा 14 जून से 14 जुलाई 2024 तक फुटबॉल का दूसरा सबसे बड़ा टूर्नामेंट वएअ ए४१ङ्ग 2024 का टूर्नामेंट आयोजित किया जाएगा। यहां भारतीय फुटबॉल टीम से दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। वहीं, कउउ व19 वर्ल्ड कप 2024 साउथ अफ्रीका में आयोजित किया जाएगा।

पूर्व अंडर-19 क्रिकेटर ने खुद को आईपीएस अधिकारी बताया, कई लक्जरी होटलों और यहां तक कि ऋषभ पंत को भी ठगा!

नई दिल्ली , हरियाणा के लिए अंडर-19 क्रिकेट खेल चुके और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व करने का दावा करने वाले एक युवक को यहां ताज पैलेस होटल से कथित तौर जुलाई 2022 में 5 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

आरोपी की पहचान हरियाणा के फरीदाबाद के रहने वाले 25 वर्षीय मृणांक सिंह के रूप में की गई और उसके धोखाधड़ी के शिकार लोगों में क्रिकेटर ऋषभ पंत के साथ-साथ भारतभर के कई लक्जरी होटल के मालिक और प्रबंधक शामिल हैं, जिन्हें उसने खुद को कर्नाटक के एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के रूप में पेश करके धोखा दिया था।

उसकी गिरफ्तारी पिछले अगस्त में ताज पैलेस होटल के सुरक्षा निदेशक की चाणक्यपुरी पुलिस स्टेशन में एक शिकायत के बाद हुई है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि सिंह, जिसने खुद को एक क्रिकेटर के रूप में पेश किया था, 22-29 जुलाई, 2022 तक होटल में रुका था, उसने 5,53,362 रुपये के बिल का चुकाए बिना और बिना बताए होटल छोड़ दिया।

पेमेंट के बारे में पूछे जाने पर उसने कहा कि यह काम उसकी कंपनी एडिडास करेगी। पुलिस उपायुक्त, नई दिल्ली, रविकांत कुमार ने कहा, होटल के बैंक स्टेटमेंट उसके साथ साझा किए गए। उसने दो लाख रुपये के ऑनलाइन लेनदेन का यूटीआर नंबर भी साझा किया। तुरंत, होटल के सिस्टम में इसकी जांच की गई और पाया गया कि उसने कोई भुगतान नहीं किया था।

उन्होंने कहा, इसके बाद भुगतान के लिए सिंह और उसके प्रबंधक गगन सिंह से उनके मोबाइल पर संपर्क किया गया और सिंह ने कहा कि वह बकाया राशि का भुगतान करने के लिए अपने ड्राइवर को नकदी के साथ भेजेगा, लेकिन किसी को होटल नहीं भेजा। भुगतान के लिए उससे कई बार संपर्क किया गया। लेकिन हर बार उसने झूठे वादे किए और हमेशा गलत जानकारी दी।जांच के दौरान धारा 41ए सीआरपीसी के तहत नोटिस दिया गया। नोटिस सिंह के पते पर भेजा गया था, लेकिन वह वहां नहीं मिला।

अतिरिक्त डीसीपी ने कहा, वह पुलिस जांच से बचने के लिए सभी उपाय कर रहा था। उसका मोबाइल फोन स्विच ऑफ मोड में रहता था और उसके अधिकांश संचार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म या इंटरनेट चैटिंग एप्लिकेशन पर होते थे। उसके परिचितों को यह भरोसा दिलाया गया था कि वह भारत में नहीं है और अब दुबई में बस गया है।

इसके बाद स्थानीय अदालत द्वारा उसके खिलाफ एक गैर-जमानती वारंट जारी किया गया और देश से बाहर भागने की कोशिश करने की स्थिति में उसे पकड़ने और गिरफ्तार करने के लिए एक लुक आउट-सर्कुलर भी जारी किया गया। अतिरिक्त डीसीपी ने कहा, सोमवार को उसे आईजीआई हवाईअड्डे पर आव्रजन अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया, क्योंकि उसकी एलओसी पहले से ही मौजूद थी, जब वह हांगकांग के लिए उड़ान भरने की कोशिश कर रहा था और उसे पुलिस को सौंप दिया गया।

आईजीआई हवाईअड्डे पर अपनी हिरासत के दौरान सिंह ने खुद को कर्नाटक का एडीजीपी आलोक कुमार बताते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को फोन करके आव्रजन अधिकारियों को प्रभावित करने का एक और प्रयास किया और अपने बेटे की मदद करने में सहायता मांगी, जिसे दिल्ली के आईजीआई हवाईअड्डे पर अवैध रूप से हिरासत में लिया गया है।

कुमार ने कहा, पूछताछ करने पर उसने बार-बार पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, उसने दावा किया कि उसके पिता अशोक कुमार सिंह, जो 1980 से 1990 के दशक तक भारत के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी रहे हैं, इस समय एयर इंडिया में प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं और आईजीआई हवाईअड्डे पर तैनात हैं।

सिंह ने यह भी खुलासा किया कि उसने खुद को एडीजीपी, कर्नाटक बताते हुए कई लक्जरी रिसॉर्ट्स/होटलों को लाखों रुपये का चूना लगाया है और कई मौकों पर आईपीएल क्रिकेटर के रूप में अपने स्टारडम का इस्तेमाल उन्हें प्रभावित करने के लिए किया और कई दिनों तक ठहरने और बकाया चुकाए बिना होटल छोड़ दिया और बाद में भुगतान करने का वादा किया।

अतिरिक्त सीपी ने कहा, उसके मोबाइल फोन के विश्लेषण से प्रथम दृष्टया पता चला कि उसकी धोखाधड़ी और प्रतिरूपण के कई शिकार हुए हैं और ठगी गई राशि कई लाख रुपये है। उसके पीड़ितों में होटल, बार, रेस्तरां, लड़कियां, कैब ड्राइवर शामिल हैं। उन्होंने कहा, पंत के साथ 2020-21 में 1.63 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी भी हुई थी। सिंह के मोबाइल फोन के शुरुआती विश्लेषण से युवा मॉडलों/लड़कियों के साथ उनकी दोस्ती का पता चला है और इसमें कई वीडियो और तस्वीरें हैं, जिनमें से कुछ बेहद आपत्तिजनक हैं।

सिंह को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे दो दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया।

कप्तान रोहित का सबसे बड़ा मैच विनर हुआ फिट

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज टीम इंडिया के लिए शर्मनाक रहा है। सेंचुरियन में खेले गए पहले टेस्ट में रोहित एंड कंपनी को मेजबान टीम ने एक पारी और 32 रन से पटखनी दी। हालांकि, केपटाउन में होने वाले दूसरे टेस्ट मुकाबले से पहले टीम इंडिया को बड़ा बूस्टर मिला है। टीम का स्टार खिलाड़ी प्रैक्टिस के दौरान पूरी तरह से फिट दिखाई दिया है और अपने दमदार खेल से रंग जमाने को तैयार है।

वापसी को तैयार स्टार खिलाड़ी

दरअसल, हम जिस स्टार खिलाड़ी की बात कर रहे हैं, वो कोई और नहीं, बल्कि रविंद्र जडेजा हैं। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, जडेजा को सेंचुरियन टेस्ट के तीसरे दिन के खेल की शुरुआत से पहले प्रैक्टिस सेशन में देखा गया, जहां जडेजा पूरी तरह से फिट नजर आ रहे थे। सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि जडेजा 30 से 40 मीटर की

स्प्रिंट भी करते हुए दिखाई दिए। इस दौरान भारत का स्टार ऑलराउंडर किसी भी तरह की परेशानी या दिक्कत में दिखाई नहीं दिया।

गेंदबाजी करते हुए भी दिखे फिट

जडेजा ने प्रैक्टिस ट्रैक पर मुकेश कुमार संग गेंदबाजी भी की और वह पूरी तरह से फिट दिखे। रिपोर्ट के मुताबिक, जडेजा की बॉलिंग पर भारतीय टीम के स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच रजनीकांत काफी पैनी नजर बनाए हुए थे। बता दें कि सेंचुरियन टेस्ट में जडेजा पीठ में समस्या होने की वजह से प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं रहे थे और उनकी जगह पर आर अश्विन को मौका दिया गया था।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ दमदार जड्डू का रिकॉर्ड

रविंद्र जडेजा का रिकॉर्ड साउथ अफ्रीका के खिलाफ बेहद शानदार रहा है। गेंदबाजी में जड्डू ने मेजबान टीम के खिलाफ खेले 8 मैचों में कुल 42 विकेट अपने नाम किए हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में जडेजा एक पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा तीन बार कर चुके हैं। साउथ अफ्रीका की सरजमीं पर जड्डू को एक टेस्ट मैच खेलने का मौका मिला है, जहां उन्होंने 6 विकेट अपनी झोली में डाले थे।

बल्लेबाजी में साउथ अफ्रीका के खिलाफ जडेजा ने खेले 8 मैचों की 11 पारियों में 32 की औसत से 329 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से दो फिफ्टी निकली है। जडेजा का फिट होना टीम इंडिया के लिए बड़ा बूस्टर है, क्योंकि जड्डू की तीनों ही फॉर्मेट में हालिया फॉर्म बेहद जबरदस्त रही है।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
-सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382-222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com